माघ शुक्ल पक्ष-13, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 248 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
22 फरवरी 2024
गुरुवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

2 हजार करोड़ के किरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में कथित भ्रष्टाचार का मामला

मुखर मलिक के घर-दफ्तर पर CBI का छापा, कश्मीर में भी रेड

नई दिल्ली , एजेंसी।

सरकार के कामकाज को लेकर काफी समय से मुखर चल रहे जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के दिल्ली स्थित आवास और दफ्तर की आज सुबह सीबीआई ने तलाशी ली। जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई ने ये कार्रवाई की। इसके अलावा केंद्रीय एजेंसी ने जम्मू-कश्मीर में भी 30 ठिकानों पर छापा डाला। यह मामला किश्तवाड़ में चिनाब नदी पर प्रस्तावित किरू हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए 2019 में 2200 करोड़ रुपये के सिविल वर्क का कॉन्ट्रैक्ट देने में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा है। मलिक ने आरोप लगाया था कि उन्हें राज्य का गवर्नर रहते (तब जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश नहीं बना था) परियोजना से संबंधित दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए 300 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की गई थी। पिछले महीने भी इस केस में चल रही जांच के सिलसिले में दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में लगभग 8 स्थानों पर छापा मारा गया था। आरोप है कि जलविद्युत परियोजना से संबंधित सिविल कार्यों के आवंटन में, ई-टेंडरिंग के संबंध में दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया गया। सीवीपीपीपीएल की 47वीं बोर्ड बैठक में निर्णय लिया गया था कि रिवर्स नीलामी के साथ ई-टेंडरिंग के माध्यम फिर से कॉन्ट्रैक्ट आवंटित किया जाएगा।

केजरीवाल को 7 वां नोटिस

दिल्ली शराब नीति केस में प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज सातवां नोटिस जारी किया व 26 फरवरी को पेश होने को कहा है। इससे पहले जारी सभी नोटिसों को केजरीवाल गैर कानूनी बता चुके है। उन्होंने इस मामले में कोर्ट की भी शरण ले रखी है। जहां 16 मार्च को सुनवाई है।

2 मार्च को धौलपुर के रास्ते मप्र में दाखिल होंगे राहुल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा दो मार्च को राजस्थान के धौलपुर के रास्ते से मध्यप्रदेश के मुरैना से एंट्री लेने वाली है। यह यात्रा अब पांच दिन चलेगी। इसके दिनों में कुछ कटौती हुई है। बाद में यह यात्रा रतलाम जिले के सैलाना से फिर राजस्थान के बांसवाड़ा जिले की सीमा में प्रवेश करेगी। मप्र में यात्रा की तैयारी के साथ ही कांग्रेस के भीतर किसी भी संभावित डैमेज यानि दलबदल को रोकने के लिये नाराज नेताओं को चिन्हित करने की कोशिश की जा रही है। कल मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा कमलनाथ के गढ छिंदवाडा में सैंकडों कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाने और यह कहने कि- कुछ लोगों का मन डांवाडोल है,वे आज नहीं तो कल आएंगे, के बाद कांग्रेस ज्यादा सतर्क है। ज्ञात हो हाल में कमलनाथ या उनके पुत्र नकुलनाथ के भाजपा में जाने की अटकलें बहुत तेज चली थीं।

दिल्ली में कांग्रेस को तीन सीटें देगी आप, पहले दी थी एक

इधर सपा के साथ उप्र में कांग्रेस के तालमेल के बाद लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच दिल्ली में गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने पर सहमति लगभग बन गई है। सूत्रों के मुताबिक, आम आदमी पार्टी दक्षिणी दिल्ली, उत्तर-पश्चिम दिल्ली, नई दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली की सीट पर चुनाव लड़ सकती है. वहीं बची हुई तीन सीटें उत्तर पूर्वी, चांदनी चौक और पूर्वी दिल्ली कांग्रेस को देने पर लगभग सहमत नजर आ रही है। खास बात यह है कि कुछ दिन पहले तक आप ने कांग्रेस को सिर्फ एक सीट देने की बात कही थी। केजरीवाल ने कहा है कि राजधानी में सीटों के तालमेल के लिए बातचीत 'अंतिम चरण' में है। जल्द ही गठबंधन की घोषणा की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि 'इसमें पहले ही काफी देर हो चुकी है, यह बहुत पहले हो जाना चाहिए था।

भाजपा ने कहा- कांग्रेस का खजुराहो में 'वॉक ओवर'

इधर मप्र भाजपा ने कांग्रेस द्वारा खजुराहो लोकसभा सीट सपा को समझौते के तहत दे देने पर चुटकी ली है। मुख्य प्रवक्ता आशीष अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस का खजुराहो सीट छोड़ना 'जमानत जब्ती की स्वीकारोक्ति' है। कांग्रेस ने मैदान छोड दिया है। कांग्रेस ने जमानत जब्त होने के डर से खजुराहो लोकसभा सीट समाजवादी पार्टी को सुपुर्द कर गठबंधन को भी छल दिया है, जिससे बेचारे टीपू सुल्तान अंजान है। अग्रवाल ने कहा कि हाल के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, खजुराहों लोकसभा की सारी सीटें हार गई थी और अब लोकसभा में सपा को उसी लोकसभा सीट का झुनझुना पकड़ा दिया है।

पतंग से गिराए ड्रोन, गोलों से बचने बार्डर पर किसानों को बांटे चश्मे व मास्क

नई दिल्ली , एजेंसी।

शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन फिलहाल नाजुक दौर से गुजर रहा है। इसके मद्देनजर किसान नेताओं ने करीब 25 नौजवानों की विशेष टीम बनाई है, जो हर गतिविधि पर नजर रखेगी, कि कहीं कोई गलत तत्व आंदोलन में घुस न सके। किसान नेता इसे लेकर पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि उन्होंने कुछ गलत लोगों को पकड़ा है। इधर बॉर्डर पर हरियाणा की तरफ से आंसू गैस के गोलों की बरसात के बीच किसानों के हौसले बुलंद है। नौजवानों की ओर से एक तरफ पतंगों के जरिये पुलिस के ड्रोन गिराने की कोशिश की गई, वहीं गोलों के धुएं से किसानों को बचाने के लिए मोहाली समेत पंजाब के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे नौजवानों की तरफ से चश्मे, मास्क, ग्लव्स आदि बांटे जा रहे हैं। 13 फरवरी से शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में पहले भी बसंत पंचमी के मौके पर नौजवानों ने पतंग उड़ाकर त्योहार मनाया था। किसानों ने गोलों के धुएं से बचने के लिए बॉर्डर के नजदीक बड़ी गिनती में गीली बोरियां का प्रबंध कर रखा था। साथ ही मिट्टी की बोरियों से भरी प्लास्टिक की थैलियों की भरी ट्रालियां भी खड़ी थीं, ताकि जरूरत पड़ने पर नदी के रास्ते आगे बढ़ा जा सके। किसानों ने हरियाणा पुलिस की तरफ से एक्सपायरी आंसू गैस के गोले उन पर दागने के आरोप लगाए।

संदेशखाली: भाजपा की डॉक्यूमेंट्री आरोप-सच्चाई छिपा रहीं ममता

नई दिल्ली। भाजपा ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर एक डॉक्यूमेंट्री जारी की है। इस डॉक्यूमेंट्री में पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में जमीन कब्जाने और महिलाओं के खिलाफ यौन शोषण के मामलों को उजागर करने का दावा किया गया है। भाजपा ने एक्स हैंडल पर जारी इस 20 मिनट की डॉक्यूमेंट्री के साथ कैप्शन में लिखा कि 'एक सच्चाई जो आपको हैरान कर देगी। एक सच्चाई जो हमें दर्द देती है और एक सच्चाई जो हमारी अंतरआत्मा को झकझोरती है। संदेशखाली की सच्चाई को ममता बनर्जी छिपाने की कोशिश कर रही हैं।' डॉक्यूमेंट्री में संदेशखाली की कुछ महिलाएं उन कथित अपराधों के बारे में बात कर रही हैं जो उनके साथ हुए थे। पीड़ित महिलाओं ने बताया कि किस तरह से उनकी जमीन टीएमसी नेताओं ने कब्जाई और उनका यौन शोषण किया। जब उन्होंने पुलिस से अपने साथ ही ज्यादती की शिकायत की तो पुलिस ने भी आरोपियों से ही बात करके मामले को निपटाने की सलाह दी।

बर्फ की सफेद चादर से ढकीं चोटियां, पलटने लगा मध्यप्रदेश का मौसम

भोपाल/ नई दिल्ली , दोपहर मेट्रो

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में भीषण बर्फबारी के चलते मौसम फिर पलट रहा है। कुछ निचले इलाकों में हल्की बर्फबारी के साथ बारिश भी हो रही है। जम्मू-श्रीनगर हाईवे तीसरे दिन भी बंद रहा। मप्र की तरफ भी ठंडी हवा आ सकती हैं। आज सुबह भोपाल में भी हवाओं में तेजी व हल्की ठंडक महसूस की गई। इससे ग्वालियर , चंबल और रीवा संभाग में बादल व हल्की बारिश की संभावना है। बीती रात भी ग्वालियर, शिवपुरी समेत कई शहरों में हल्की बारिश हुई है।

बताया जाता है कि हिमाचल की

405 सडकों पर यातायात पूरी तरह से ठप है। पंजाब समेत उत्तर भारत के अन्य मैदानी इलाकों में तेज आंधी के साथ कहीं हल्की तो कहीं मूसलाधार बरसात के साथ ओले गिरे हैं। मौसम में आए बदलाव से कई इलाकों में बिजली व पानी की आपूर्ति बाधित रही। इधर दिल्ली-एनसीआर में भी मौसम नरम-गरम चल रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तर पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना है। इसी के प्रभाव से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है।वहीं, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के कुछ इलाकों में हल्की और कई इलाकों में तेज बारिश हुई।

ब्रह्मोस मिसाइल खरीद के लिए 19 हजार करोड़ का सौदा मंजूर

नई दिल्ली , एजेंसी।

सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने 200 ब्रह्मोस मिसाइल की खरीद की डील को मंजूरी दे दी है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की खरीद भारतीय नौसेना के लिए की जाएगी और ये मिसाइलें भारतीय नौसेना के युद्धक जहाजों पर तैनात की जाएंगी। यह डील 19 हजार करोड़ रुपये की है। सौदे पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस और रक्षा मंत्रालय के बीच मार्च के पहले हफ्ते में हस्ताक्षर हो सकते हैं। ब्रह्मोस एयरोस्पेस भारत और रूस की सरकार का एक संयुक्त उपक्रम है, जो ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का उत्पादन करता है। इन मिसाइलों को सबमरीन, युद्धक जहाजों, एयरक्राफ्ट और जमीन से भी फायर किया जा सकता है। ब्रह्मोस मिसाइल भारतीय नौसेना का प्रमुख हथियार है, जो एंटी शिप और अटैक ऑपरेशन में इस्तेमाल होता है। ब्रह्मोस मिसाइल को भारत में ही रूस की मदद से विकसित किया गया है।

भारत सरकार के आदेश से मस्क की कंपनी नाराज

नई दिल्ली । भारत सरकार ने हाल ही में एक्स (पहले ट्विटर) से कुछ अकाउंट को ब्लॉक करने के आदेश दिए थे। X ने सरकार के इस आदेश को स्वीकार कर लिया है, लेकिन साथ में असहमति भी प्रकट की है। एक्स ने कहा है कि वे भारत सरकार के आदेश के बाद कुछ एक्स अकाउंट को ब्लॉक या सस्पेंड कर रहे हैं लेकिन हम इससे सहमत नहीं हैं। लोगों को बोलने की आजादी होनी चाहिए। इसकी जानकारी एक्स के ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर टीम ने एक पोस्ट के जरिए दी है।

संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था पर फिर भड़के जयशंकर

नई दिल्ली । नई दिल्ली में वैश्विक कूटनीतिक विमर्श के कार्यक्रम रासीना डायलॉग 2024 का आयोजन किया जा रहा है। आज इस कार्यक्रम में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शिरकत की। जयशंकर ने अपने चिर-परिचित अंदाज में एक बार फिर सधे हुए शब्दों में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था की खामियों को उजागर किया और आरोप लगाया कि संयुक्त राष्ट्र आज भी पुरानी व्यवस्था के आधार पर ही संचालित हो रहा है।

मेट्रो एंकर

रिटायर होने के बाद 2011 से भटक रहा था अंतरिक्ष में

अंततः धरती पर गिरा उपग्रहों का 'दादा'

लंदन, एजेंसी।

एक समय काफ़ी अहमियत रखने वाला यूरोप का एक उपग्रह आख़िरकार धरती पर गिर ही गया। आज सुबह इसका अंत कैलिफोर्निया से लगभग 2000 किमी पश्चिम में अलास्का और हवाई के बीच उत्तरी प्रशांत महासागर के ऊपर हुआ। यह करीब दो हजार टन वजनी था। इसका ईंधन टैंक खाली था और बैटरी पूरी तरह डिस्चार्ज हो गई थी। ईआरएस-2 नाम के इस सैटेलाइट को साल 1995 में लॉन्च किया गया था। इसकी मदद से उन आधुनिक तकनीकों के विकास में मदद मिली, जिन्हें आज अंतरिक्ष से पृथ्वी की निगरानी में इस्तेमाल किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उपग्रह ने साल 2011 में काम रोक दिया था, जिसके बाद यह धीरे-धीरे पृथ्वी के क़रीब आ रहा था. तब से ही माना जा रहा था कि यह अचानक अनियंत्रित होकर किसी भी समय वायुमंडल में दाख़िल हो जाएगा। इसे उपग्रहों का दादा कहा जाता था।

यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसए) ने पहले ही कहा था कि सैटेलाइट का ज़्यादातर हिस्सा पृथ्वी की सतह पर पहुंचने से पहले ही जल जाएगा। संभव है कि गिरने के बाद कुछ हिस्से बचे हों। न इनके आबादी वाले इलाक़ों में गिरकर नुक़सान करने की आशंका पहले भी बहुत कम थी। ये टुकड़े दुनिया के किसी भी हिस्से में गिर सकते थे, लेकिन अब तक पृथ्वी के ज़्यादातर हिस्से में समंदर होने के कारण अक्सर ऐसे टुकड़े वहीं गिरते रहे हैं। ईएसए के अर्थ ऑब्ज़र्वेशन ग्राउंड सेग्मेंट डिपार्टमेंट के मिरको एल्बानी ने कहा था कि जो हिस्से पृथ्वी में आएंगे, वे रेडियोएक्टिव के ज़हरीले नहीं हैं जो हिस्से पृथ्वी में बिना जले आ सकते हैं, उसमें इसके कुछ आंतरिक पैनल और धातु से बने कुछ हिस्से हो सकते हैं।

इसलिए उपग्रहों का ग्रैंडफ़ादर

यूरोपीय स्पेस एजेंसी ने 1990 के दशक में दो एक जैसे अर्थ रिमोट सेंसिंग (ईआरएस) उपग्रह लॉन्च किए थे - ईआरएस-1 और ईआरएस-2. वे उस समय के सबसे आधुनिक उपग्रह थे, जिनमें ज़मीन, समंदर और हवा में होने वाले बदलावों को मापने वाले उपकरण लगे हुए थे। इन उपग्रहों ने बाढ़ पर नज़र रखी, समंदर और महाद्वीपों के तापमान को मापा, बर्फ़ की परतों में आए बदलाव को देखा और भूकंप के दौरान हुए बदलावों की जानकारियां भी जुटाईं. दोनों उपग्रहों को यूरोप में पृथ्वी की निगरानी करने वाले उपग्रहों का ग्रैंडफ़ादर यानी दादा कहा जाता था.ईआरएस-2 इन दोनों में पहला है जो पृथ्वी की ओर आकर नष्ट हुआ है।

अंतरिक्ष में मलबे के ख़तरे

उल्लेखनीय है ईआरएस उपग्रहों को लॉन्च किया गया था, उस समय अंतरिक्ष में बेकार हो चुके उपग्रहों से फैलने वाले मलबे को लेकर ज़्यादा सख़्त दिशानिर्देश नहीं थे। अब ईपीए ने नई नीति बनाई है, जिसके अंतरिक्ष में बिल्कुल भी मलबा नहीं छूटना चाहिए. इसके लिए काम करना बंद कर चुके उपग्रह को नष्ट करने के लिए पांच साल से ज़्यादा समय की छूट नहीं मिल सकती.साथ ही, भविष्य में छोड़े जाने वाले उपग्रहों में अतिरिक्त ईंधन रखा जाना है, ताकि काम पूरा कर लेने पर उन्हें वापस पृथ्वी में लाया जा सके।

आज का कार्टून

बिना ट्रेनिंग लिया जा रहा जोखिम भरा काम

बिजली के आउटसोर्स कर्मचारियों के मामले में एसीएस से जवाब तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने प्रदेश के बिजली कंपनियों में 45 हजार आउटसोर्स कर्मचारी के बिना टैनिंग जोखिम भरे काम करने के मामले में संज्ञान लेते हुए आयोग ने एसीएस, ऊर्जा को जांच के निर्देश दिए हैं।

आयोग ने विभिन्न् बिन्दुओं पर तीन सप्ताह के भीतर जवाब भेजने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने पूछा है कि आउटसोर्स एवं संविदा कर्मियों को क्या ट्रेनिंग दी जाती है? इन कर्मियों को ड्यूटी के दौरान क्या सुरक्षा उपकरण दिये जाते है? क्या इन्हें पीएफ की पात्रता संबंधित-ठेकेदार के माध्यम से है? पिछले दो वर्षों में कितने आउटसोर्स कर्मियों के साथ दुर्घटना हुई एवं उन्हें क्या राहत दी गई?

45 हजार आउटसोर्स कर्मचारी-

बताया जाता है कि प्रदेश के बिजली कंपनियों में 45 हजार आउटसोर्स कर्मचारी लगे है, मेंटेनेंस का जिम्मा इन्ही के कंधों पर है। लेकिन जान जोखिम में डालने वाले इन कर्मचारियों को ऊर्जा विभाग का कर्मचारी नहीं माना जाता है। कर्मचारी की ड्यूटी नहीं होने पर भी उन्हें खंभे पर बिजली लाइन का कार्य कराया जाता है। हादसे में कर्मचारी की मृत्यु होने पर उनके परिवार को मुआवजा राशि दी जाती है। लेकिन परिवार की हालत फिर वैसी ही हो जाती है।

बिजली के खंभे बाधा, हादसे की आंशका

भोपाल के कोलार रोड़ पर निर्माण कार्य के चलते बिजली के खंभे बाधा बन रहे है। पुरानी हाईटेंशन लाइन के आसपास अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है। कई जगह डीपी खुले पड़ी हुई है। सड़क पर स्ट्रीट लाइट नहीं होने पर अधेरे के कारण हादसे होने का खतरा बना हुआ है। हाईटेंशन लाइन के पास हो रहे निर्माण कार्य से बड़े हादसे की आंशका बनी हुई है। मामले में आयोग ने सीएमडी, मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कं.लि. भोपाल, कलेक्टर, भोपाल एवं आयुक्त, नगर निगम भोपाल को जांच के निर्देश दिए हैं।

स्कूलों का रिपोर्ट कार्ड : स्कूल शिक्षा मंत्री ने जारी किया जिलों का शैक्षणिक रिपोर्ट कार्ड

पढ़ाई में छतरपुर आगे, खंडवा दूसरा जबकि भोपाल, इंदौर, धार पिछड़े

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रारंभिक शिक्षा स्तर पर जिलों में किए जा रहे गुणात्मक सुधार कार्यों के आधार पर तैयार जिलों की शैक्षणिक रिपोर्ट स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने मंत्रालय में जारी की। दिसंबर 2023 तक के आंकड़ों के आधार पर तैयार की गई इस रिपोर्ट के अनुसार, इस बार जिला रैंकिंग में छतरपुर पहले और खंडवा दूसरे स्थान पर रहा है। वहीं भोपाल, इंदौर, सागर, धार, झाबुआ, रतलाम जिले पिछड़े हैं। नरसिंहपुर इस बार भी पांचवें स्थान पर रहा है। यह रिपोर्ट बच्चों के नामांकन और ठहराव, सीखने के परिणाम और गुणवत्ता, शिक्षक व्यावसायिक विकास, समानता, अधोसंरचना तथा सुविधाएं, सुशासन प्रक्रियाएं एवं वित्तीय प्रबंधन और नवभारत साक्षरता कार्यक्रम पर तैयार की गई है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि समग्र शिक्षा अभियान में तैयार की गई रिपोर्ट स्कूल शिक्षा के गुणात्मक सुधार में महत्वपूर्ण रोल अदा करेगी।

12 जिलों से टॉप 100 में एक भी स्कूल नहीं

रिपोर्ट के अनुसार, इस बार प्रदेश के 12 जिलों से टॉप 100 में एक भी स्कूल नहीं है। सीधी के सबसे ज्यादा 10 स्कूल टॉप 100 की लिस्ट में शामिल होने में कामयाब रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सीधी जिले की रैंकिंग पिछले वर्ष 46वें नम्बर पर थी। इस वर्ष दिसम्बर 2023 में सीधी की रैंकिंग बढ़कर 12वीं हो गई। वहीं राजगढ़ ने 28, रीवा ने 26, बुरहानपुर ने 25, सिंगरौली ने 17 अंको की बढ़त बनाई हैं। वहीं श्योपुर जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता में गिरावट दर्ज हुई है। श्योपुर 23, कटनी 22, इंदौर 19, उमरिया 17 अंक पिछड़ा है।

भोपाल 10 अंक पिछड़कर 43वें स्थान पर पहुंचा

रिपोर्ट के अनुसार, भोपाल जिलों की सूची में 43 वें नंबर पर रहकर सी ग्रेड हासिल कर सका है। जबकि भोपाल पिछली बार 33वें नंबर था। इस बार भोपाल जिले को नामांकन तथा ठहराव के 19 मे से 12.5 अंक, सीखने के परिणाम व गुणवत्ता के 23 में से 12.8 अंक, शिक्षक व्यावसायिक विकास के 13 मे से 8.1 अंक, समानता के 8 में से 3.3 अंक, अधोसंरचना तथा सुविधाओं के 10 मे से 8.1 अंक, सुशासन प्रक्रियाएं और वित्तीय प्रबंधन के 22 में से 10.2 अंक, नव भारत साक्षरता के 5 में से 4.8 अंक सहित कुल 100 में से 59.49 अंक प्राप्त हुए हैं।

घुमंतु परिवारों के बच्चों लिए विशेष कार्ड,

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि मप्र में बच्चों के ड्रॉप आउट रेट को कम करने के भी प्रयास किए जा रहे है। घुमंतु जाति के परिवारों के स्कूल जाने वाले बच्चों की पढ़ाई में रुकावट न आए, इसके लिए ऐसा कार्ड तैयार किया जाएगा, जिसके आधार पर एक स्थान छोड़कर अन्य स्थान जाने पर कार्ड के आधार पर बच्चें को स्कूल में प्रवेश दिया जाएगा। सरकारी स्कूलों में बच्चों को निशुल्क पाठ्य पुस्तक समय पर वितरित की जाएंगी।

4500 सरकारी स्कूलों में शुरू होंगे नर्सरी और केजी 1, केजी 2

मंत्री उदय प्रताप ने कहा कि 4500 सरकारी स्कूलों में नर्सरी और केजी 1, केजी 2 फॉर्मूला शुरू किया जाएगा। सरकारी स्कूलों को पब्लिक स्कूलों की तर्ज पर डेवलप किया जाएगा। वहीं आंगनवाड़ियों में ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाया जाएगा।

वार्षिक समारोह

भोपाल। नूतन कॉलेज में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया।

यात्री हो रहे परेशान, रेलवे ने निरस्त कर रखी है चार ट्रेनें

छत्तीसगढ़ की ओर जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग, नहीं मिल रहे कन्फर्म टिकट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के भोपाल, रानी कमलापति, जबलपुर, इंदौर समेत अन्य शहरों से छत्तीसगढ़ जाने वाले यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। रेलवे ने इस राज्य में जाने वाली चार प्रमुख ट्रेनों को निरस्त कर रखा है। रेलवे का दावा है कि ट्रैक के रख-रखाव का काम किया जाना है, जो कि जरूरी है इसलिए ट्रेनों को निरस्त करना पड़ा है।

ये ट्रेनें 27 फरवरी तक निस्त है। वहीं भोपाल-ग्वालियर-भोपाल एक्सप्रेस का कोलारस व बदरवास स्टेशन पर 6 मार्च से स्टॉपेज देने से यात्रियों में खुशी है, क्योंकि उक्त ट्रेन के दोनों स्टेशनों पर ठहरने से आसपास के यात्री उक्त ट्रेन का लाभ ले सकेंगे।

भोपाल रेल मंडल से मिली जानकारी के मुताबिक ट्रेन 18234 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक?सप्रेस 25 फरवरी तक, ट्रेन 18233 इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस 26 फरवरी तक, ट्रेन 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस 25 फरवरी तक व ट्रेन 18235 भोपाल- बिलासपुर एक्सप्रेस 27 फरवरी तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त की गई है।

फाइल फोटो

कोलारस व बदरवास स्टेशन पर स्टॉपेज लेकर चलेगी ग्वालियर-भोपाल-ग्वालियर एक्सप्रेस

ट्रेन 12198/12197 ग्वालियर-भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस 6 मार्च से भोपाल मंडल के कोलारस व बदरवास स्टेशन पर स्टॉपेज लेकर चलेगी। ट्रेन 12198 ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी एक्सप्रेस के कोलारस स्टेशन पर सुबह 08.20 बजे तथा बदरवास स्टेशन पर सुबह 08.43 बजे पहुंचेगी। पहले दिन क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि ट्रेन के ठहरने पर स्वागत करेंगे। वहीं ट्रेन 12197 भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस बदरवास स्टेशन पर रात 8.23 बजे व कोलारस स्टेशन पर रात 8.43 बजे पहुंचेगी।

नगर निगम के अंतरिम बजट को अवैध बताया, संभागायुक्त को शिकायत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगर निगम परिषद की बीती दस फरवरी की बैठक में लाए गए अंतरिम बजट को कांग्रेस पार्षद दल ने अवैध करार दिया है। पार्षद दल ने इसे बजट को रद्द कराने के लिए कांग्रेस पार्षद दल की ओर से संभागायुक्त को पत्र दिया गया है तथा इसमें यह भी कहा गया है कि महापौर को कारण बताओ नोटिस जारी करके पूछा जाए कि यह बजट क्यों लाया गया,जबकि मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम विधि संहिता 1956 में अंतरिम बजट का कोई प्रावधान ही नहीं है। कांग्रेस पार्षद दल ने कहा है कि प्रदेश की किसी भी दूसरे निकाय में अंतिरिम बजट नहीं लाया है,फिर भोपाल में यह जरूरत क्यों पड़ी।

इस मामले में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी और वरिष्ठ पार्षद योगेंद्र चौहान, मो. सरवर आदि ने कहा है कि इस बजट पर आपत्ति लेने के बाद भी महापौर ने निराकरण नहीं किया और शोर शराबे के बजट पारित कर दिया गया है।साथ ही बजट की प्रति तक किसी भी वार्ड पार्षद को नहीं दी गई। इसके चलते किसी विभाग को कितनी राशि दी गई तथा जनता की सुविधाओं का कोई ब्यौरा भी सामने नहीं आ सका है। कांग्रेस पार्षद दल ने कहा है कि मप्र के समस्त शहरी निकायों ने आगामी वित्त वर्ष के पूर्ण बजट का प्रस्तावित प्राक्कलन पारित व स्वीकृत किया है,फिर भोपाल ननि को अंतरिम बजट की जरूरत क्यों पड़ी।

हिंदी विवि में मातृभाषा दिवस पर संगोष्ठी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, एवं वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, के संयुक्त तत्वावधान में विश्व मातृभाषा दिवस पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रो. खेमसिंह डहेरिया, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, . प्रो. गिरीश नाथ झा, निदेशक, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, डॉ. अतुल कोठारी, सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, अशोक कडेल, संचालक, हिंदी ग्रंथ अकादमी, एवं शैलेन्द्र कुमार जैन, कुलसचिव, उपस्थित रहें। ल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय द्वारा चिकित्सा विषय के पाँच पुस्तकों का विमोचन किया गया है। अब न्यायालय में भी हिंदी में बहस तथा निर्णय आ रहे हैं जिससे मातृभाषा को बढ़ावा मिल रहा है। अब भाषा को रोजगार से जोड़ने की आवश्यकता है ताकि मातृभाषा में भी विद्यार्थी अपनी आजीविका का निर्वहन कर सकें।

मेट्रो एंकर | **सिंधी भाषा बोलकर भाषा व संस्कृति को बचाने का प्रयास करें, भाषा के लुप्त होने से संस्कृति लुप्त हो जाएगी: विष्णु गेहानी**

साधु वासवानी स्कूल में अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस मना

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से हुई। अतिथियों ने मां सरस्वती, संतजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया।

कार्यक्रम की शुरूआत शिक्षाविद् विष्णु गेहानी के विचारों के साथ हुई। गेहानी ने कहा कि सिंधी भाषा व संस्कृति को बचाने के लिए हम सभी को मिल-जुलकर प्रयास करना होगा इस भाषा से बच्चों को जोड़ने के लिए सिंधी मेले लगाएं जाएं। सिंधी पर्व, त्योहार की जानकारी बच्चों को दी जाएं। भाषा को रोजगार से जोड़ने के प्रयास हों। ऐसा होगा तो हमारी सिंधी भाषा कभी लुप्त नहीं होगी।

बच्चों से करें सिंधी में बात

संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी ने कहा, कोई भी भाषा व संस्कृति तब तक जिंदा रहती है जब तक उसका साहित्य जिंदा है नई शिक्षा नीति में भी मातृभाषा अनिवार्य की गई है आज के दिन ही नहीं वरन हर दिन सिंधी भाषा में ही बात करें ताकि सिंधी भाषा को बढ़ावा मिलें, बच्चे भाषा से जुड़ेंगें तभी अपनी संस्कृति से जुड़ पाएंगें।

बच्चों सिंधी बोलो

सिंधी साहित्यकार बल्लू चोईथानी ने कहा कि किसी जाति को खत्म करना मतलब अपनी भाषा को खत्म करना है, भाषा को जिंदा रखने के लिए घरों में अपनी मातृभाषा सिंधी का ही प्रयोग करें और बच्चों को भी मातृभाषा बोलने के लिए प्रेरित करें, मेरे प्यारे बच्चों सिंधी बोलोगे ही नहीं तो सिंधी कैसे कहलाओगे, जिस तरह आप अपनी मां का सम्मान करते हो उसी प्रकार अपनी मातृभाषा का भी सम्मान करें।

मातृभाषा की सेवा करें

सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबूमल रीझवानी ने कहा कि मातृभाषा हमारी मां हैं तो हम मां को कैसे भुला सकते हैं। सिंधी ऐसी मीठी बोली है जिसको भुलाकर हम अपनी सभ्यता को भूल रहे हैं सिंधी भाषा के उत्थान के लिए हमें एकजुट होकर प्रयास करना होगा। विद्यालय की छात्रा मेघा कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन भावना कलवानी द्वारा किया गया।

विचार गोष्ठी हुई

दीपमाला पागरानी पब्लिक स्कूल में भी मातृभाषा दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्था की प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा जिस भाषा से बचपन में पहला साक्षात्कार होता है और जिस भाषा में मां बात करती है, वह मातृभाषा होती है। मातृभाषा से दूरी अपनी जड़ों से कटना है। सिंधी भाषा के विकास के लिए सभी को काम करना होगा। सचिव बसंत चेलानी ने कहा, भाषा साहित्य, और संस्कृति से बच्चों को जोड़ने के लिए घर से प्रयास शुरू होना चाहिए। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन संस्था के चन्दर नागदेव ने किया।

Government of Madhya Pradesh

MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

INVEST MADHYA PRADESH

REGIONAL INDUSTRY CONCLAVE

1-2 March, 2024 - Ujjain

Narendra Modi
Prime Minister

Dr. Mohan Yadav
Chief Minister

- STRATEGIC LOCATION - WELL CONNECTED
- STRONG RESOURCE BASE
- VAST INDUSTRIAL LAND BANK
- STATE-OF-THE-ART INFRASTRUCTURE
- INNOVATIVE & PROGRESSIVE POLICY
- PEACEFUL WORKING ENVIRONMENT
- ABUNDANT SKILLED MANPOWER
- INDUSTRIAL CORRIDORS AND HUBS

CONCLAVE HIGHLIGHTS

Buyer & Seller Meet | One-2-One Meet | Exhibition | Thematic Session

MADHYA PRADESH
THE FUTURE READY STATE

https://invest.mp.gov.in/

D-11213/23

Released by the Department of Public Relations, M.P.

Knowledge Partner

EY
Building a better working world

National Partner

CII
Confederation of Indian Industry

सुविचार

''जब जेब में रूपये हो तो दुनिया आपकी औकात देखती है, और जब जेब में रूपये न हो तो दुनिया अपनी औकात दिखाती है!''

- अज्ञात

संपादकीय

चंडीगढ़ से लोकसभा चुनाव तक

हमारे देश की सर्वोच्च अदालत ने तीस जनवरी को आए चंडीगढ नगर निगम के मेयर के चुनाव नतीजों को पलटते हुए भारतीय जनता पार्टी की जगह आम आदमी पार्टी उम्मीदवार को विजेता घोषित करके कई संदेश दिये हैं। पहला, इससे भारतीय न्यायपालिका की सर्वोच्यता व स्वतंत्रता फिर मजबूती से रेखांकित हुई है। दूसरा, इससे यह भी साफ हो गया है कि प्रामाणिक तौर पर यदि चुनाव में कोई गड़बड़ी सामने आती है तो न्यायालय इस पर अपनी राय व फैसले में कतई नहीं हिचकेगा। दूसरी वजह इसलिये भी मायने रखती है,क्योंकि लंबे समय से देश में चुनाव में गडबडी की बातें व आरोप राजनीतिक दल लगाते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने इस बात की तस्दीक की है कि चुनावों की निष्पक्षता बनाए रखने से ही लोकतंत्र में विश्वास बना रहता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले को सही ठहराने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 का हवाला दिया है। इस अनुच्छेद के तहत, अदालत को 'पूर्ण न्याय' सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी करने का अधिकार है। इससे पता चलता है कि कोर्ट ने इस मामले को कितनी गंभीरता से लिया है। वोटों की गिनती के वक्त पीठासीन अधिकारी की तरफ से गड़बड़ी किए जाने के सबूत सामने आने के बाद दोबारा चुनाव कराने पर बहस हुई थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मतपत्रों की जांच के बाद इस तर्क को खारिज करने का सही फैसला लिया। जांच में पाया गया कि मत पत्र में कोई गड़बड़ी नहीं थी। नगर निगम के नियमों के अनुसार, मतपत्रों को जिन पैमानों के आधार पर अमान्य माना जाता है, उनमें से कोई भी शर्त पूरी नहीं हुई थी। यानी, मतगणना के दौरान पीठासीन अधिकारी की तरफ से की गई गड़बड़ी के कारण ही चुनाव परिणाम गलत आए। कोर्ट ने न केवल पीठासीन अधिकारी के खिलाफ परिणाम में हेराफेरी करने की कोशिश करने के लिए कार्रवाई की, बल्कि अदालत को गुमराह करने के लिए उसके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही भी शुरू की। यह बहुत कड़ा संदेश है कि चुनाव परिणामों से छेड़छाड़ करने के गंभीर नतीजे होंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का एक उल्लेखनीय पहलू यह है कि उसने फैसला देने में देरी नहीं की। दरअसल, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की सरकार के पतन पर अदालत का फैसला आने में लगभग एक साल लग गया था। महाराष्ट्र के राज्यपाल की तरफ से अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने को सुप्रीम कोर्ट की तरफ गलत ठहराया जाना कानूना सही हो सकता है, लेकिन इसका व्यावहारिक प्रभाव सीमित था। चुनावी कदाचार के मामलों में देरी से न्याय मिलना अन्याय के समान है। भारत में चुनावों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने का शानदार इतिहास है। कई बार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद, निर्वाचन आयोग ने सुनिश्चित किया कि भारत में ऐसे हालात कभी नहीं बनें जैसे 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के दौरान हुई अराजकता से पैदा हुए थे। चूंकि चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव निर्वाचन आयोग के दायरे से बाहर था, इसलिए सुप्रीम कोर्ट के लिए इस मामले को तेजी से सुलझाना महत्वपूर्ण हो गया था।बहरहाल,देश में आम चुनाव करीब हैं और हाल में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए हैं,तब ईवीएम के जरिए गड़बडी का खूब शोर उठा था। इसीलिये चंडीगढ का ताजा सुप्रीम फैसला पुलिस या प्रशासन के सभी अधिकारियों को एक सख्त संदेश है।

आज का इतिहास

- 1468 - प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार करने वाले युहेन गोटेनबर्ग का निधन।
- 1768 - कर्नल स्मिथ ने ब्रिटिश सत्ता को स्वीकार कर चुके हैदराबाद के निजाम के साथ शांति समझौता किया।
- 1799 - मिस्र पर फ्रांस के तानाशाह नेपोलियन बोनापार्ट का अधिकार हो जाने के बाद फ्रांसीसी सेना ने आक्रमण शुरू किया।
- 1886 - अमेरिकी रसायनशास्त्री और आविष्कारक मार्टिन हेल ने एल्यूमीनियम की खोज की।
- 1905 - रोटरी इंटरनेशनल की स्थापना हुई।
- 1940 - रूसी सेना ने ग्रीस के निकट लासी द्वीप पर कब्ज़ा किया।
- 1947 - अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन ने विश्व मानक की स्थापना की।
- 1952 - भारत में कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम पारित किया गया।
- 1958 - अर्जेंटीना के महान फॉर्मूला वन चालक खुआन मैनुअल फांगियो का दो लोगों ने अपहरण किया।
- 1962 - अमेरिका ने नेवादे में परमाणु परिक्षण किया।
- 1967 - अमेरिकी सेनाओं ने वियतनाम युद्ध में बड़े हमले शुरू किये।
- 1969 - हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मधुबाला का निधन।
- 1970 - गुयाना देश गणराज्य बना और आज के दिन को इस देश का राष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया।
- 2003 - कनाडा के डेविसन ने वर्ल्ड कप का सबसे तेज शतक लगाकर 1983 का कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ा।
- 2007 - पाकिस्तान ने शाहीन-2 का परीक्षण किया।
- 2010 - भारत के मशहूर चित्रकार एम.एफ.हुसैन को कतर की नागरिकता प्राप्त हुई।
- 2014 - रूस के सोची शहर में 22वें शीतकालीन ओलंपिक खेलों का समापन हुआ।
- 2020 - अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने एक महत्वपूर्ण आदेश में म्यांमार से रोहिंग्या आबादी को सुरक्षा देने के लिए कहा।

निशाना

बदल रही तस्वीर !

- कृष्णेन्द्र राय

संगठन में इनके लगता ।
आ रही दरार ।।
फिर भी होगा देखना ।
कौन पहनता हार ।।
धीरे धीरे शायद ।
बदल रही तस्वीर ।।
खबर रही है उड़ ।
हैं सारे ही वीर ।।
हारते ना हिम्मत हैं ।
ना खुले बस पोल ।।
एक दूसरे को भले ।
रहें घुमाते गोल ।।
शानदार अंदाज़ है ।
पर अंदर कोहराम ।।
रुक रुक कर कभी कभी ।
है आता पैग़ाम ।।

तब और अब के रेडियो में ज़मीन-आसमान का फर्क

अतुल सिन्हा

उस आवाज़ के हम सब दीवाने थे। तब रेडियो सीलोन खूब चला करता था और गीतमाला का इंतज़ार हर किसी को होता था। रेडियो पर फिल्मी गीतों के वैसे तो ढेरों कार्यक्रम थे, लेकिन अमीन सयानी के गीतमाला जैसा कोई नहीं था। सिर्फ इसलिए कि इसका अंदाज़ कुछ अलग था। टॉप गीतों को माला में पिरोने की अदा कुछ और थी, उस दौर के तमाम गायकों, गीतकारों, संगीतकारों से इंटरव्यू का तरीका कुछ और था। अमीन साहब का गत दिवस 21 फरवरी को निधन हो गया है। करीब पांच साल पहले अमर उजाला ने उनके 87वें जन्मदिन पर उनसे बात की थी। उसके अंश यहां साभार प्रस्तुत हैं।

उम्र की ढलान पर होने के बावजूद उनकी आवाज़ में वही दम, वही अंदाज़ और वही चुलबुलापन बरकरार था। अमीन साहब बहुत कुछ किशोर कुमार सरीखे लेकिन उनसे कहीं गहरे और गंभीर।मुंबई के मशहूर रीगल सिनेमा के साथ वाली बिल्डिंग की दूसरी मंज़लि पर उनका दफ्तर और स्टूडियो था। तबियत थोड़ी गड़बड़ तो रहती थी, लेकिन वो हर हाल में रोज़ दफ्तर आना और कुछ घंटे वहां गुज़ारना पसंद करते थे। बात करते-करते अमीन साहब मौजूदा हालात पर अपनी बेबाक राय कुछ इस तरह दी-'अगर हम अपने घर में ही उस ज़माने का माहौल देखें और आज का माहौल देखें तो बहुत सारी चीजें बदल गई हैं जैसे-जैसे वक्त गुज़रता है तो साथ-साथ ज़माना बदलता ही रहता है, गड़बड़ सिर्फ ये है कि हमारा पुराना जो ज़माना था उसमें एक गहराई होती थी, सच्चाई होती थी, उसमें हम दिल साफ रखकर सही बात कहते थे, लेकिन आजकल के ज़माने में झूठ फरेब गड़बड़यिां देखने को मिल रही हैं। हमारी ज़िंदगी में और सोच में भी ये बदलाव दिखते हैं। भ्रष्टाचार, बलात्कार, छीना झपटी, टैक्सेज ऐसे कि लोग सीधे तरीके से, आराम से जी नहीं सकें.. और जो सच्चे लोग हैं वो बेचारे मरते जा रहे हैं। गुलज़ार ने बहुत सही बात कही थी अपनी एक कविता में कि.. आजकल रोज़ अखबार मेरे घर खून में लथपथ आता है।'

अमीन साहब को लगता है 'जबतक सच्चाई सच हमारे दिलों में, हमारे कामों में हमारे बर्ताव में न आ जाए.. तबतक ये माहौल सुधरेगा नहीं, हालत बिगड़ती ही चली जाएगी। यहां तक कि हिन्दुस्तान बरबाद हो जाएगा। मुझे बहुत दुख होता है। 'आवाज़ के इस बेताज बादशाह की जिंदगी के उतार-चढ़ावों के बारे में उन्हीं की ज़बान से जानने की बात ही कुछ और है। वो बात करते करते अतीत में चले जाते हैं। 'मैं गांधीवादी हूं। स्वतंत्रता का जो आंदोलन चल रहा था, उस ज़माने में मैं स्कूल स्टूडेंट था, लेकिन गांधी जी, नेहरू इन सबका हमारे परिवार में बड़ा असर था, क्योंकि मेरे अब्बा के जो चाचा थे, वो थे रहमतुल्ला साहनी, जिन्होंने गांधी जी को वकील बनाने में बहुत मदद की थी उन्हें साउथ अफ्रीका भी ले गए थे। हमारे नाना जो थे वो थे तजबअली पटेल, वो मौलाना आज़ाद के भी डॉक्टर थे और गांधी जी के भी डॉक्टर थे। उस ज़माने से हमारे

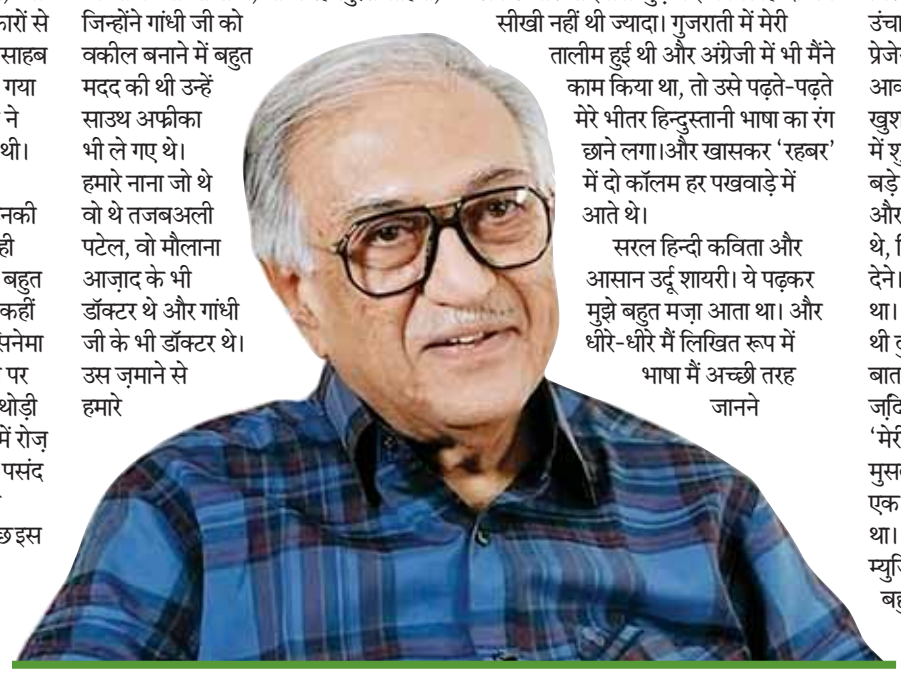

परिवार में स्वतंत्रता के आंदोलन को बहुत गहराई से देखा जाता था। और सबसे बड़ी बात ये हुई कि गांधी जी ने हमारी अम्मा को बेटी बना लिया था। अम्मा हमारी काम कर रही थीं सोशल वर्क में। साक्षरता का काम कर रही थीं। खासकर उन औरतों के लिए जो कमाती नहीं थीं, उनको पढ़ाना-लिखाना और जागरूक करना। बहुत काम करती थीं.. कुलसुम साहनी नाम था। वो पहली हिन्दुस्तानी महिला थीं जिन्होंने नेहरु लिटरेसी अवॉर्ड जीता था। इस काम से गांधी जी इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मेरी मां को बुलाकर कहा कि देखो बेटी, हिन्दुस्तान अब आज़ादी की राह पर है। मैं ये चाहता हूं कि भारत की जो भाषा हो वो सरल हिन्दुस्तानी हो, जो सब समझ सकें इसे।

उत्तर दक्षिण पूरब पश्चिम सब। जैसे हिन्दुस्तानी फिल्म संगीत। उसी तरह की भाषा वो चाहते थे, तो कहने लगे..कि बेटी तुम एक पाक्षिक पत्रिका शुरु करो जो कि तीन लिपियों में छपे। देवनागरी, गुजराती और उर्दू अम्मा ने ये शुरू किया। 'रहबर' उसका नाम था। रहबर का मतलब पथ प्रदर्शक। हमारे घर में ही इसका संपादन होता था और बाद में प्रिंटिंग भी वहीं होने लगी। तब लिथो पर छपता था। मैं उस वक्त 10-11 बरस का था.. और पत्रिका के साथ प्यून की तरह जुड़ गया। प्रुफ देखने से लेकर और भी इससे जुड़े कई काम। हिन्दी मैंने सीखी नहीं थी ज्यादा। गुजराती में मेरी तालीम हुई थी और अंग्रेजी में भी मैंने काम किया था, तो उसे पढ़ते-पढ़ते मेरे भीतर हिन्दुस्तानी भाषा का रंग छाने लगा।और खासकर 'रहबर' में दो कॉलम हर पखवाड़े में आते थे।

सरल हिन्दी कविता और आसान उर्दू शायरी। ये पढ़कर मुझे बहुत मज़ा आता था। और धीरे-धीरे मैं लिखित रूप में भाषा मैं अच्छी तरह जानने लगा..और फिर आर्टिकल भी लिखने लगा छोटे-छोटे। ये चालीस के दशक की बात है। घर में स्वतंत्रता की बातें होती थीं। मैं पढ़ता था एक गुजराती स्कूल में। तो गुजराती में इतना अच्छा मैं बोलने लगा था, लिखने लगा था, लेकिन हिन्दुस्तानी भाषा के उच्चारण में भी गुजराती का थोड़ा सा असर था, और अंग्रेज़ी बहुत अच्छी तरह बोलता था मैं। मैं बचपन में ही ऑल इंडिया रेडियो से जुड़ा। मेरे बड़े भाई जो थे हमीद। वो इंग्लिश के बहुत अच्छे ब्रॉडकास्टर थे। उन्होंने ही पहले पहल मेरा रिश्ता रेडियो से जोड़ा।'

तो क्या अमीन साहब की आवाज़ बचपन से ही ऐसी थी रेडियो वाली या उन्होंने इसके लिए कोई खास ट्रेनिंग ली। उन्होंने इसका भी राज़ बताया और साथ ही तब के रेडियो के बारे में भी बताते-बताते अतीत में चले गए-'आवाज़ ऐसी एकदम तो नहीं थी। धीरे-धीरे हुई। बड़ी मेहनत की मैंने। उस ज़माने में हमीद भाई ने एक थिएटर ग्रुप ज्वाइन किया था, जो अंग्रेजी में नाटक करता था, उसके जो डॉयरेक्टर थे वो थे सुलतान पदमसी। एलेक पदमसी के बड़े भाई। उन्होंने ही ये थिएटर ग्रुप शुरू किया था। उनके घर पर ही रिहर्सल होती थी। मैं भी जाता था। मैंने भी बहुत थिएटर किए उस दौरान वहां मुझे सीखने को बहुत कुछ मिला। उस जमाने में रेडियो का स्तर इतना उंचा था कि देश में जो सबसे बड़े राइटर्स थे, प्रेजेन्टर्स थे, या जो बोल पाते थे.. ये सब आकर इसमें हिस्सा लेते थे और खुद को बड़ा खुशकिस्मत समझते थे। बीबीसी के स्टाइल में शुरू हुआ था ऑल इंडिया रेडियो। सब बड़े-बड़े लोग आते थे, बल्कि लीडर्स भी आते थे और अपने आपको बड़ा खुशकिस्मत समझते थे, कि उनको बुलाया गया है रेडियो पर भाषण देने। रेडियो का वो जो ज़माना था वो लाजवाब था। ड्रामे भी ऐसे-एसे होते थे कि चौंक जाती थी दुनिया। डिस्कशन्स..और भी बहुत कुछ।' बात करते करते अमीन साहब अपनी निजी ज़िंदगी और अपने शौक तक भी चले जाते थे-'मेरी बीवी कश्मीरी पंडित थी और मैं मुसलमान था। कैसे हमारा प्यार हुआ ये भी एक कहानी है। मेरी बीवी जो थी। रमा मट्टू नाम था। उसके चाचा ऑल इंडिया रेडियो के म्युजिक हेड थे।उन्होंने रफी को सिखाने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी।'

अमीन साहब कुछ देर शांत हो जाते हैं और कहीं खो जाते हैं फिर अचानक खुद को हल्का करते हुए कहते हैं...'क्लासिकल म्युज़िक मैंने भी चार साल सीखा। मैं एक ज़माने में बहुत अच्छा गाया करता था। फिर एक ज़माना आया जब मेरी आवाज़ फट गई और गाना ज़रा मुश्किल हो गया मेरे लिए। जब भी मैं गाने बैठता तो कोई दोस्त आकर कहता कि ऐ बेसुरे, क्यों बोर करता है।' अमीन साहब को इस बात का मलाल रहा कि वेस्टर्न म्युज़िक के असर ने भारतीय संगीत की उस ऊंचाई को खत्म कर दिया जो कभी हमारी लोकसंगीत और शास्त्रीय संगीत से मिलकर फिल्म संगीत को सुरीला और दिल में उतरने लायक बना देता था। उन दिनों को संगीत का गोल्डन डेज कहने वाले अमीन साहब अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन आज भी उनकी आवाज़ के चाहने वाले कम नहीं हैं।

साभार

आखिर क्या हो पारदर्शी चंदे का विकल्प

उमेश चतुर्वेदी

पांच साल पहले जिस चुनावी बॉन्ड को चुनावी फंडिंग में पारदर्शिता लाने और चुनावों में कालाधन के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए लाया गया था, देश की सबसे बड़ी अदालत ने उसे अवैधानिक घोषित करते हुए उस पर रोक लगा दी है। दरअसल, चुनावी बॉन्ड के विरोधियों को उसे लेकर सबसे बड़ी आपत्ति यह थी कि बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को दान देने वाले लोगों के नाम का खुलासा नहीं हो रहा था। वैसे चुनावी बॉन्ड की अधिसूचना इसके लिए दानदाता को अपनी गोपनीयता की सहूलियत देती थी। चुनावी बॉन्ड को देने वाले का नाम सूचना के अधिकार के दायरे से भी बाहर था। ऐसे में आरोप लगता था कि चुनावी बॉन्ड के जरिए राजनीतिक दलों को चंदा देने वाले राजनीतिक दल दरअसल बॉन्ड के रूप में रिश्वत दे रहे हैं और अपने कारोबारी या औद्योगिक हितों के लिहाज से बदले में सत्ताधारी दल से सहूलियती नीतियां बनवा रहे हैं।

गांधीजी ने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान आम लोगों से चंदा लेने की शुरुआत की। हालांकि, उस दौर में भी बिरला और बजाज जैसे औद्योगिक घराने कांग्रेस के बड़े दानदाता थे। लेकिन आम लोगों से चंदा लेने के पीछे भावना यह थी कि लोग इसके जरिए आंदोलन से तो जुड़ेंगे ही, उनका नैतिक दबाव आंदोलन कर रही कांग्रेस पर भी रहेगा। इसलिए वह लोकविरोधी फैसले नहीं ले पाएगी। आजादी के बाद भी राजनीतिक दल आम लोगों के जरिए ही धन जुटाते थे। लेकिन जैसे-जैसे भारत में औद्योगीकरण बढ़ता गया, औद्योगिक घराने भी चुनावी चंदा देने में आगे रहने लगे। निश्चित तौर पर इसका सबसे ज्यादा फायदा सत्ताधारी दलों को ही हुआ। एक दौर में कांग्रेस को सबसे ज्यादा चुनावी चंदा मिलता रहा। कहा गया कि इसके जरिए सबसे ज्यादा दान भाजपा को मिला है। इसे आजादी के बाद से ही जारी परिपाटी का विस्तार कहा जा सकता है। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' के मुताबिक विगत पांच वर्षों में चुनावी बॉन्ड के जरिए सबसे ज्यादा 6566 करोड़ का दान भाजपा को मिला है। दूसरे नंबर पर कांग्रेस है, जिसे एक हजार 123 करोड़ का दान मिला। तीसरे नंबर पर तृणमूल कांग्रेस है, जिसे एक हजार 93 करोड़ की रकम मिली। वहीं 774 करोड़ रुपये बीजू जनता दल व डीएमके को 617 करोड़ मिले हैं। जाहिर है कि जिसके पास जितनी सत्ता है, उसी अनुपात में उसे चंदा मिला है।

निस्संदेह, चुनावी परिदृश्य में राजनीति शाहखर्ची का पेशा हो गया है। अकूत धन के बिना चुनाव लड़ना और राजनीतिक दल चलाना आसान नहीं है। शायद इसीलिए अब चुनावी प्रचार अभियान के लिए मीडिया ने कार्पोरेट बांबिंग का विशेषण दिया है। जाहिर है कि यह खर्च कारोबारी और औद्योगिक घरानों से ही आ सकता है। आम लोग से मिलने वाले के चंदे या दान से राजनीति करना आज के दौर में मुश्किल है। यही वजह है कि चुनावों में काले धन का इस्तेमाल बढ़ा। चुनाव आयोग की तमाम सख्ती के बावजूद अब भी चुनावों में काले धन का भरपूर इस्तेमाल होता है। जाहिर है कि जो चुनावी चंदा देगा, वह अपने हित की बात तो करेगा ही। चुनावी बॉन्ड को खारिज किए जाने के बाद गैर-भाजपा दलों ने भाजपा को कटघरे में खड़े करने की कोशिश जरूर की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या उनके हाथ पाक साफ हैं? सवाल यह भी है कि क्या वे अगर भाजपा की तरह प्रभावी होते और सत्ता में उनकी हनक होती तो क्या वे आम लोगों के चंदे के आधार पर ही अपनी राजनीति करते?

अक्सर चुनावों की फंडिंग में अवैध धन के इस्तेमाल का आरोप लगता रहा है। इसे ही ट्रांसपरेंट बनाने के लिए साल 2017 में मोदी सरकार ने चुनावी बॉन्ड जारी करने का फैसला किया था। लेकिन इस योजना को 14 सितंबर, 2017 को सुप्रीम कोर्ट में चुनाव सुधारों की दिशा में काम करने वाले संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' ने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी। इस याचिका पर तीन अक्तूबर, 2017 को देश की सबसे बड़ी अदालत ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। इसी दिन जया ठाकुर और सीपीआई एम ने भी इस याचिका में खुद को शामिल करने की अर्जी लगाई। इसी बीच 2 जनवरी, 2018 को केंद्र सरकार ने इस योजना को अधिसूचित करके लागू कर दिया। शुरू में बॉन्ड की बिक्री के लिए 70 दिनों की मियाद रखी गई थी। जिसे 7 नवंबर, 2022 को बढ़ाकर 85 दिन कर दिया गया। इस बीच 16 अक्तूबर, 2023 को मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने इस याचिका को पांच सदस्यीय संविधान पीठ को सुनवाई के लिए भेजा। इसके पंद्रह दिन बाद पीठ ने याचिका की सुनवाई की। लगातार तीन दिनों की सुनवाई के बाद दो नवंबर, 2023 को पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया और 15 फरवरी, 2024 को अपना फैसला सुनाया। फैसले में चुनावी बॉन्ड को सर्वोच्च अदालत ने अवैधानिक घोषित करते हुए उस पर रोक लगा दी। चुनाव आयोग ने कहा है कि इस योजना के जरिए राजनीति और धन के बीच सांठगांठ को बढ़ावा मिलता है। देखने की बात यह है कि आर्थिक उदारीकरण के दौर में जिस तरह जीवन के हर क्षेत्र पर पैसे का बोलबाला बढ़ा है, उसकी वजह से पैसे के राजनीतिक इस्तेमाल और राजनीति पर पैसे का प्रभाव जरूरी बुराई बन चुका है। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों को देखिए। वहां ताकतवर उम्मीदवार वही माना जाता है, जिसे सबसे ज्यादा चंदा मिलता है। चंदा वहां आम वोटर और समर्थक भी देते हैं, लेकिन चंदे का बड़ा हिस्सा कार्पोरेट घराने ही देते हैं। जिसे ज्यादा पैसा मिलता है, उसे ही चुनावी दौड़ में आगे माना जाता है। इसके उलट इस प्रक्रिया को इस तरह भी समझ सकते हैं कि जो जीत रहा होता है, उसे ही सबसे ज्यादा दान मिलता है। चुनावी बॉन्ड पर सर्वोच्च न्यायालय भले ही रोक लगा दे, गैर-भाजपा दल भाजपा की चाहे जितनी भी आलोचना कर लें। लेकिन यह तय है कि चुनावी रण के खर्च के लिए अपने तईं पैसे जुटाने की कोई और राह जरूर चुन लेंगे।

साभार: लेखक के अपने विचार हैं..

सहकारिता विभाग पर भारी सहकारी समिति कर्मचारी

ऑडिट में आदिम जाति सहकारी समिति केसला में लाखों का भ्रष्टाचार उजागर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सहकारिता के बारे में कहावत है कि इसके कर्मचारियों अधिकारियों द्वारा जो भ्रष्टाचार किया जाता है उसको लेकर जांच होना बहुत मुश्किल है. पहले तो इस कहावत पर विश्वास नहीं किया जाता था लेकिन आदिम जाति सहकारी समिति केसला के भ्रष्टाचार की जांच को लेकर जिस तरह टाल मटोल की जा रही है उसे देखकर लगता है कि वास्तव यह कहावत सही है.नर्मदापुरम जिले के आदिवासी विकासखंड स्थित आदिम जाति सहकारी समिति केसला के ऑडिट वर्ष 2015-16 में स्पष्ट रूप से आपत्ति उजागर हुई कि समिति प्रबंधक द्वारा 14 लाख 70000 रुपए का हेर फेर किया गया. समिति प्रबंधक द्वारा इस गड़बड़ी को लेकर आज दिनांक तक विभाग के सामने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया।

सहायक आयुक्त ऑडिट नर्मदापुरम द्वारा दिनांक 10 फरवरी 2023 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया जिसमें कहा गया कि संस्था के वर्ष 2015-16 से 2020-21 तक ऑडिट आक्षेप के पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किए गए। 15 दिवस में पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

केसला समिति प्रबंधक परसराम यादव द्वारा पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत न करने पर सहकारिता विभाग के सहायक आयुक्त द्वारा पुन=26/ 09 /2023 को पत्र जारी कर 15 दिवस में पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु निर्देश दिया गया। लेकिन इस निर्देश का पालन भी समिति प्रबंधक द्वारा आज दिनांक तक नहीं किया गया।

आदिम जाति सहकारी समिति के केसला में लाखों का भ्रष्टाचार उजागर होने के बावजूद भी सहकारिता विभाग के अधिकारी समिति प्रबंधक पर कार्रवाई क्यों नहीं कर पा रहे। ऑडिट आपत्तियों को लेकर 60 दिवस में पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य है। मध्य प्रदेश सहकारी समिति अधिनियम 1960 की धारा 61(2) में प्रावधान है कि ऑडिट टीम में ली गई आपत्तियों

मामले का स्पष्टीकरण देने को तैयार नहीं है समिति प्रबंधक

पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए कई बार पत्र जारी कर चुका है सहकारिता विभाग

का पालन प्रतिवेदन ऑडिट के 60 दिवस के भीतर प्रस्तुत करना अनिवार्य है तथा अधिनियम की धारा 61(3)के अनुसार संस्था कर्मचारी उक्त प्रावधानों का पालन करने में असफल रहता है तो उस पर रू.50000 से अधिक की शास्ती अधिरोपित की जा सकेगी। इस नियम के अनुसार सहकारिता अधिकारी द्वारा आज दिनांक तक सहकारी समिति केसला पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे जाहिर की सहकारिता विभाग के उपायुक्त सहायक आयुक्त जैसे अधिकारी तथा ऑडिटर और प्रशासक जैसे जिम्मेदार लोग सहकारी समिति को संरक्षण प्रदान कर रहे हैं। दूसरे गांव से आकर केसला में निवास कर रहे समिति प्रबंधक की संपत्ति की जांच की जाए।

सूत्रों से पता चला है कि आदिम जाति सहकारी समिति केसला में पदस्थ सहायक समिति प्रबंधक परसराम यादव किसी अन्य गांव के निवासी हैं और वह 20-25 सालों से केसला में निवास कर रहे हैं। सहायक समिति प्रबंधक जैसे पद पर रहकर यादव द्वारा लाखों की संपत्ति अर्जित की गई है। केसला में करोड़ों रुपए की कृषि भूमि वर्तमान समय यादव के पास है।एक दैनिक वेतन भोगी स्तर के कर्मचारी के पास करोड़ों की भूमि कहां से आ गई। यह जांच का विषय है।आदिम जाति सहकारी समिति की केसला के अंतर्गत 5 -6 सरकारी राशन की दुकान भी संलग्न है। जिनके खाली बारदानों का हिसाब किताब भी समिति प्रबंधक के पास नहीं है। किसानों को उचित दर पर मिलने वाली रासायनिक खाद वितरण में भी समिति प्रबंधक द्वारा कालाबाजारी किए जाने संबंधी मामले भी जांच के विषय है।

गेहूं उत्पादन धान उपार्जन आदि शासकीय खरीदी के दौरान भी इनके द्वारा कई प्रकार की अनियमिताएं होने के समाचार प्राप्त होते रहे हैं। लेकिन सहकारी विभाग से जोड़-तोड़ बनाए रखने वाले समिति प्रबंधक का आज तक कोई कुछ नहीं कर पाया। बताया जाता है कि आदिम जाति सहकारी समिति केसला के समिति प्रबंधक द्वारा करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने एवं समिति की जांच को लेकर एक मामला ई डी को भेजने की तैयारी जारी है।

समिति प्रबंधक यादव द्वारा गांव में तथा अन्य जगह कहां-कहां कृषि भूमि खरीदी गई है इसको लेकर जांच पड़ताल जारी है। सारे पुख्ता सबूत प्राप्त करने के उपरांत मामला दर्ज कराने के लिए शुरुआत की जा सकेगी।

5 वीं और 8 वीं की परीक्षा को लेकर एफएलएन सर्वे आधारित पर हुई बैठक

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

विकासखंड में दिनांक 22 फरवरी 2024 को होने वाले एफएलएन सर्वे 2024 एवं बोर्ड परीक्षा पैटर्न कक्षा 5 वीं एवं आठवीं की तैयारी हेतु जनपद शिक्षा केंद्र में बीआरसीसी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। जिसमें एफएलएन प्रभारी नितिन दुबे एफएलएन, डीआरजी, सीएसी,बीएसी,उपयंत्री, ऑपरेटर तथा राज शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा सभी 22 एफएलएन चयनित शालाओं के प्रधान पाठक सम्मिलित हुए । बैठक में एफएलएन संबंधित सभी महत्वपूर्ण दिशा निर्देश विकास खण्ड एफएलएन प्रभारी नितिन दुबे एवं परीक्षा प्रभारी विजय सिंह राजपूत सीएसी द्वारा दिए गए तथा शासन के निर्देश अनुसार एफ एलएन सर्वे संपन्न हो इसके लिए सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की एवं एफएलएन एवं परीक्षा की तैयारी हेतु महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए।

खेत में पानी दे रहे किसान की करंट लगने से मौत

सिवनी मालवा। खेत में अपनी गेहूं की फसल में पानी दे रहे किसान की बीती रात करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार की रात को करीब 10=30 पर ग्राम चोतलाय का किसान उद्धव प्रताप पिता महेश प्रताप लोवशी उम्र 35 वर्ष अपने खेत में गेहूं की फसल में पानी दे रहा था इस दौरान मोटर के पास किसान के बाएं हाथ में करंट लग गया गांव वालों ने उसे सिवनी मालवा अस्पताल ले कर आए जहां उसकी मृत्यु हो गई। आज सुबह उसका पोस्टमार्टम कर शव को परिजनों को सोपा पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

बस स्टैंड के पास सड़क पर चल रहा ऑटो रिपेयर का काम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अतिक्रमण को लेकर यातायात पुलिस संदेह के दायरे में

एक ओर तो सरकार सड़क किनारे के अतिक्रमण हटाने के लिए मुहिम चला रही है वहीं दूसरी ओर सड़कों पर ऑटो रिपेयर जैसे काम सरेआम चल रहे हैं.

नर्मदापुरम नगर में राम जी बाबा समाधि के आगे बस स्टैंड के पास नगर प्रशासन द्वारा सड़क को चौड़ा किया गया है ताकि बस स्टैंड से आने जाने वाले वाहन सुगमता से इस सड़क से गुजार सकें. लेकिन देखा जा रहा है कि सड़क पर साहू ऑटो रिपेयर्स नामक दुकानदार द्वारा सड़क के किनारे वाहनों की रिपेयरिंग की जा रही है. सड़क का अधिकांश भाग इन रिपेयर होने वाले दो पहिया वाहनों से भरा रहता है. कहने को यह शहर का मध्य भाग है लेकिन यातायात पुलिस को इस काम की जरा भी खबर नहीं है यह आश्चर्य का

विषय है।

इस सड़क के किनारे पर वर्षों से ऑटो रिपेयर का काम किया जा रहा है. जबकि ऑटो रिपेयर्स की दुकान के सामने दो पहिया वाहन खड़े करके भी काम किया जा सकता है लेकिन दुकानदार द्वारा अपनी दुकान के अलावा सामने जो सड़क पर जगह पड़ी है उस सड़क की जगह पर ऑटो रिपेयर का काम किया जा रहा है. इससे आने-जाने वाले वाहनों को दुविधा का सामना करना पड़ रहा है. बताया जाता है कि दुकानदार ने यातायात पुलिस से सांठ गांठ बना रखी है इसी वजह से यह अतिक्रमण किसी को दिखाई नहीं दे रहा है. नगर पालिका भी सब्जी फल वालों को अतिक्रमण के लिए परेशान करती है लेकिन सड़क पर इस तरह खुलेआम व्यवसाय करने वाले रिपेयर्स दुकानदारों को लेकर कभी कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

नर्मदा महाविद्यालय की एनएसएस इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर प्रारंभ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बुधवार को शासकीय नर्मदा महाविद्यालय की बालक एवं बालिका इकाई शिविर का आयोजन एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला जासलपुर में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का किया गया वही शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन कार्यक्रम हुआ। शिवरार्थियो को प्राचार्य डॉ ओ.एन. चौबे ने झंडा दिखाकर स्वयंसेवकों को रवाना किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच नीलू दीपक मेहरा , एवं प्राचार्य मनोहर गोलियां, विन्या पावगी, नेहरू युवा केंद्र से साहिल तिलोटिया,वही एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी ईरा वर्मा, एस.के. दिवाकर ने उद्घाटन किया। डॉ वर्मा ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व के बारे में बताया। शिविर में जुगल किशोर ,हितेश यादव , प्रीति कटारे शिवम सैनी,अमन मेहरा, हर्ष परासर, प्रियांशु राठौर, आशु पाटनकर अन्य भाग ले रहे हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा डेयरी व किराना दुकानों से लिए गए नमूने

सीहोर। कलेक्टर प्रवीण सिंह के निर्देश पर खाद्य पदार्थों में मिलावट को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा डेयरी एवं किराना दुकानों दूध एवं किराना सामग्री के नमूने लेकर जांच के लिए भोपाल भेजे गए । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने जानकारी दी कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपाली कांगे तथा सारिका गुप्ता ने सीहोर बस स्टेण्ड स्थित राधेश्याम डेयरी प्रोडक्ट्स से मिश्रित दूध, सोनपपडी, घी एवं नमकीन के नमूनें लिए । इसके साथ ही इछावर से श्री कृष्णा एवं सेंधव डेयरी से मिश्रित दूध के नमूने लिए । सभी नमूने जांच के लिए भोपाल लैब में भेजे गए है। रिपोर्ट अमानक पाए जाने पर संबंधित संस्थानों को विरुद्ध खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी ।

मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण पर एक दिवसीय जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

विदिशा, दोपहर मेट्रो

मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण पायलट प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन हेतु आज विदिशा के रवींद्रनाथ टैगोर ऑडिटोरियम भवन में आयोजित एक दिवसीय जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट समेत अन्य अधिकारियों के द्वारा पूजन-अर्चना कर किया गया।

जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट ने मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं के संबंध में आयोजित उक्त उन्मुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारियों से अवगत कराया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी ने कहा कि सभी अपने कार्य क्षेत्र के बाकी सारे सेवा प्रदाताओं को भी प्रशिक्षित करें जिससे जन समुदाय को इसका लाभ मिल सके।मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं के संबंध में सेवा प्रदाताओं को स्वास्थ्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से एक दिवसीय जिला स्तरीय उन्मूखी करण कार्यशाला आयोजित की गई थी। जिसमें मास्टर ट्रेनर आईआई टी बॉम्बे के कंसलटेंट डॉ. देवजी

पाटिल एवं स्टेट न्यूट्रिशियन कंसलटेंट द्वारा मातृ शिशु मृत्यु दर एवं कुपोषण को कम करने हेतु सेवा प्रदाताओं का स्वास्थ्य एवम पोषण सुधार के क्षेत्र में क्षमता वर्धन प्रशिक्षण प्रदाय किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रसव की सावधानियां, शीघ्र स्तन पान, स्तनपान का सही तरीका, शरीर में पोषक तत्वों की आवश्यक मात्रा कितनी होनी चाहिए अपनाकर कैसे हम शिशु मृत्यु दर एवं कुपोषण को कम कर सकते हैं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री भरत सिंह राजपूत, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ डीके शर्मा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ, पुनीत माहेश्वरी, जिला क्षय अधिकारी डॉ. समीर, डीएसओ डॉ. पी के दीवान किरार, डीपीएम श्री आशुतोष घूंटे, सभी जिला नोडल एवं कार्यक्रम अधिकारी, सभी जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी , बीईई, बीपीएम, बीसीएम, सीएचओ, सुपरवाइजर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पवन तोमर, ाजेश अहिरवार मौजूद रहे तथा मंच का संचालन स्वास्थ्य विभाग के मीडिया ऑफिसर बीएस दांगी ने किया।

पटवारी भर्ती परीक्षा-2022 में जिले के लिए चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 24 फरवरी को

रायसेन। आयुक्त भू-अभिलेख ग्वालियर द्वारा पटवारी भर्ती परीक्षा-2022 के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसी अनुक्रम में रायसेन जिले हेतु चयनित 124 अभ्यर्थियों को उनके दिए गए पते पर सूचना पत्र जारी किए गए हैं। साथ ही दूरभाष, ई-मेल, व्हाट्सएप के माध्यम से भी संबंधित अभ्यर्थियों को सूचना दी गई है। रायसेन जिले के लिए चयनित अभ्यार्थियों का सत्यापन और दस्तावेज परीक्षण 24 फरवरी 2024 को प्रातः 09 बजे पॉलीटेक्निक महाविद्यालय गल्ला मण्डी के पीछे रायसेन में किया जा रहा है। संबंधित अभ्यर्थी को सूचना पत्र में उल्लेखित संबंधित प्रमाण पत्रों की मूल प्रति के साथ-साथ 02 स्वप्रमाणित सत्यापित छायाप्रतियां भी अपने साथ निर्धारित दिनांक को निर्धारित स्थल पर लाना है। पटवारी चयन परीक्षा से चयनित अभ्यर्थी को अपने संबंधित दस्तावेज mponline की URL https:// /prc. mponline.gov.in वेबसाईट पर अपनी प्रोफाईल क्रिएट कर अपने संबंधित दस्तावेज अपलोड करने के लिए कहा गया है।

मेट्रो एंकर | जिले की सहरिया जनजातीय बाहुल्य बस्तियां व ग्रामो में

पीएम जनमन से हितग्राहियों को लाभांवित कराने हेतु शिविरों का किया आयोजन

विदिशा, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जन-मन) पीव्हीटीजी मिशन के तहत जिले के पात्रताधारी हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण सुनिश्चित हो इसके लिए कलेक्टर उमाशंकर भार्गव द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में सहरिया जनजातीय बाहुल्य बस्तियां, ग्रामो में शिविरो का आयोजन किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत बागरी में आयोजित इस प्रकार के शिविर में मौके पर अनेक हितग्राहियों को लाभांवित किया गया है। शिविर का विधिवत् शुभारंभ विदिशा विधायक मुकेश टण्डन ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर किया। शिविर को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री टण्डन ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप जिले में चिन्हांकित सहरिया जनजाति नागरिकों को उन तमाम सुविधाओ का शत प्रतिशत लाभ दिलाया जाना है जो पीएम जनमन की मंशा है। उन्होंने कहा कि हितग्राहियो को गांव में ही शासन की चिन्हित 11

सेवाओं का लाभ प्राप्त हो इसके लिए पूर्व सर्वे में चिन्हित हितग्राहियों को संबंधित सामग्री से लाभांवित किया जा रहा है।

विधायक श्री टण्डन ने स्थानीय सहरिया जनजाति समुदाय के नागरिकों से आव्हान किया कि वे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर मुख्य धारा में जुड़े ताकि विदिशा जिले में कोई भी समुदाय आर्थिक रूप से पिछड़ ना पाए। उन्होंने आदिवासी भाईयों के पुर्नस्थान हेतु संचालित योजना व कार्यक्रमों को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम को विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री वीर सिह रघुवंशी ने भी शिविर का सम्बोधित किया।

जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने पीएम जनमन मिशन के उद्धेश्यो को रेखांकित करते हुए योजनाओं से शत प्रतिशत लाभ दिलाया जाना है उन्होंने विभिन्न योजनाओं और पीएम जनमन योजनाओं के मध्य आर्थिक अनुपात को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले के सभी सहरिया जनजाति समुदाय के नागरिकों के पुर्नद्वार संबंधी कार्य कराए जाने है और यह सब कार्य स्थानीय रहवासियों की मांग के अनुरूप संपादित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि समुदाय क्षेत्र में हितग्राहियों को स्वीकृत किए गए आवासो के निर्माण हेतु किए गए प्रबंधो का जायजा लिया वहीं शिविर में जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, पीएम जन धन योजना, आधार कार्ड एवं शत प्रतिशत हितग्राहियों की समग्र आईडी बनाने का कार्य किया गया है वहीं जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय करने की प्रक्रिया क्रियान्वित की गई है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बैतूल (म. प्र.)

दूरभाष (07141) कार्यालय 238320, Email- eephedbet@mp.nic.in

//निविदा आमंत्रण सूचना//

क्रमांक 376/लेखा/का.यं/लोस्वायांवि.खंड बैतूल/दिनांक 12.02.2024

निम्नलिखित कार्य की निविदाए ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल https://mptenders.gov.in बैतूल जिले के विकासखंड मुलताई एवं प्रभातपटटन की शालाओं एवं आंगनवाड़ियों में 150 मि.मी. व्यास एवं 300 मीटर गहरे नलकूप खनन कार्य हेतु निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 01.09.2023 से प्रभावशील एस.ओ.आर पर निम्नानुसार आमंत्रित की जाती हैः-

स.क्र.	निविदा सूचना क्रमांक व दिनांक	ऑनलाईन ई-टेण्डर आईडी	विकासखंड	निविदा की अनुमानित लागत (रू लाख में)	धरोहर राशि (रू में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू में)	कार्य करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	127/2023-24 Dt.12.02.2024	2024_PHED _332978_1	मुलताई	84.35	84350	10000	03 माह वर्षाकाल छोड़कर	नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत
2	128/2023-24 Dt.12.02.2024	2024_PHED _332980_1	प्रभातपटटन	84.35	84350	10000		

ऑनलाईन निविदा विक्रय की प्रारम्भिक तिथि व समय	15.02.2024	11.00	बजे से
ऑनलाईन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि व समय	24.02.2024	17.30	बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की संभावित तिथि व समय	26.02.2024	11.00	बजे से

निविदा फार्म ऊपर दर्शित वेबसाईट पर (Online System) ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकते हैं। आवश्यक होने पर निविदा से संबंधित समस्त शुद्धिपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर जारी किये जायेगें।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, बैतूल (म.प्र.)

G- 24559/23

पीएम जनमन से हितग्राहियों को लाभांवित कराने हेतु शिविरों का किया आयोजन

विदिशा, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जन-मन) पीव्हीटीजी मिशन के तहत जिले के पात्रताधारी हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण सुनिश्चित हो इसके लिए कलेक्टर उमाशंकर भार्गव द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में सहरिया जनजातीय बाहुल्य बस्तियां, ग्रामो में शिविरो का आयोजन किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत बागरी में आयोजित इस प्रकार के शिविर में मौके पर अनेक हितग्राहियों को लाभांवित किया गया है। शिविर का विधिवत् शुभारंभ विदिशा विधायक मुकेश टण्डन ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर किया। शिविर को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री टण्डन ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप जिले में चिन्हांकित सहरिया जनजाति नागरिकों को उन तमाम सुविधाओ का शत प्रतिशत लाभ दिलाया जाना है जो पीएम जनमन की मंशा है। उन्होंने कहा कि हितग्राहियो को गांव में ही शासन की चिन्हित 11

सेवाओं का लाभ प्राप्त हो इसके लिए पूर्व सर्वे में चिन्हित हितग्राहियों को संबंधित सामग्री से लाभांवित किया जा रहा है।

विधायक श्री टण्डन ने स्थानीय सहरिया जनजाति समुदाय के नागरिकों से आव्हान किया कि वे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर मुख्य धारा में जुड़े ताकि विदिशा जिले में कोई भी समुदाय आर्थिक रूप से पिछड़ ना पाए। उन्होंने आदिवासी भाईयों के पुर्नस्थान हेतु संचालित योजना व कार्यक्रमों को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम को विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री वीर सिह रघुवंशी ने भी शिविर का सम्बोधित किया।

जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने पीएम जनमन मिशन के उद्धेश्यो को रेखांकित करते हुए योजनाओं से शत प्रतिशत लाभ दिलाया जाना है उन्होंने विभिन्न योजनाओं और पीएम जनमन योजनाओं के मध्य आर्थिक अनुपात को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले के सभी सहरिया जनजाति समुदाय के नागरिकों के पुर्नद्वार संबंधी कार्य कराए जाने है और यह सब कार्य स्थानीय रहवासियों की मांग के अनुरूप संपादित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि समुदाय क्षेत्र में हितग्राहियों को स्वीकृत किए गए आवासो के निर्माण हेतु किए गए प्रबंधो का जायजा लिया वहीं शिविर में जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, पीएम जन धन योजना, आधार कार्ड एवं शत प्रतिशत हितग्राहियों की समग्र आईडी बनाने का कार्य किया गया है वहीं जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय करने की प्रक्रिया क्रियान्वित की गई है।

मुगलसराय में बेमौसम बारिश ने किसानों की बढ़ाई चिंता

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

बुधवार को द्वारा को मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिला दोपहर के बाद हवाओं के साथ आसमान पर बादलों की लुका छुपी का दौर शुरू हो गया इसी बीच ग्राम मुगलसराय में 20 मिनट तक तेज बारिश होने से जिन किसानों की फसले कटीं हुई खेतों में रखी हुई है उन किसानों की चिंताएं बढ़ गई क्योंकि उनकी कटी फसल पानी के कारण खराब हो सकती है। इस मौसम में बारिश होने के साथ अन्य तरह की प्रकृति आपदाओं की संभावना ज्यादा होती है ।इस वजह से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई है। हर साल फसले प्रकृति का आपदा की चपेट में आने से वैसे ही किसानों के लिए खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है । वहीं किसानों ने बताया कि हमेशा जब भी हमारी फसले पक कर तैयार होती है। उसी समय मौसम विपरीत खड़ा हो जाता है। इस साल बारिश कम होने के कारण वैसे ही बड़ी मुश्किल से फसले लगाई हैं दूसरी ओर मौसम फिर हमें परेशान करने लगा है। बिन मौसम बारिश होने से गर्मी भी गायब हो गई तापमान में भी गिरावट देखने को मिली शाम के समय हवाओं और बादलों के कारण हल्की सर्दी का एहसास फिर होने लगा। मौसम विभाग के द्वारा आने वाले दिनों में इसी तरह का मौसम रहने की संभावना जारी की इस वजह से किसानों चिंतित हैं ।

शबे-बरात से पहले कब्रस्तानों की साफ-सफाई करवाने आवेदन

सिरोंज। बुधवार को नगर पालिका स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना को मुस्लिम त्योहार कमेटी ने शबे- बरात पर सभी कब्रिस्तानों पर आयोजन होता है उससे पहले इनकी साफ सफाई के साथ लाइटिंग और अपनी व्यवस्था करवाने की मांग करते हुए कहा कि मुस्लिम समाज जनों ने कहां की 25 फरवरी की रात मे मुस्लिम समाज के लोग कब्रस्तान जा कर अपने अपने पूर्वजो को फातेहा, दरूद, पढ़कर उनके लिए मगफिरत की दुआ करते हैं। कमेटी के सदस्य शब्बू गोरी ने सभी कब्रिस्तानों की साफ सफाई व अन्य व्यवस्था करवाने की मांग की है।

पत्रकार संघ के चुनाव सम्पन्न, राजीव जैन सैनानी बने अध्यक्ष

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

बुधवार को नगर के नया बस स्टेण्ड स्थित पत्रकार भवन में सिरोंज पत्रकार महासंघ की बैठक आयोजित की गई। जिसमें संगठन की मजबूती और अध्यक्ष पद के लिए चुनाव सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार व संघ के संरक्षक नसीम खान एंव सलमान खान द्वारा की गई। वही अध्यक्ष पद के लिए संघ के सभी सदस्यों की सर्वसहमति से राजीव जैन सैनानी को पुनः निंविरोध संघ का अध्यक्ष घोषित किया गया। इस मौके पर पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष राजीव जैन सैनानी ने कहा कि हमारा संघ पत्रकारो के हित की रक्षा के लिए कार्य करने के साथ शहर की जन समस्याओं व विकास के मुद्दो को प्रमुखता से उठाता आया है और आगे हमारा यही प्रयास रहेगा। वही संघ के नवीन सदस्यो के लिए सदस्यता अभियान चलाया जाएगा।

संघ के सरंक्षक वरिष्ठ पत्रकार नसीम खान ने कहा कि संघ प्रत्येक माह प्रशासन के अधिकारियों व जनप्रतिनिधिओं से पत्रकार महासंघ उन्हें आमत्रित कर उनसे शहर के विकास सहित अनेको जन समस्याओं पर चर्चा करेगा। संघ के संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार सलमान खान ने कहा कि अब हमारा संघ सामाजिक क्षेत्रो में भी कार्य करेगा और शहर में धार्मिक एंव सामाजिक कार्यक्रमों में हिस्सेदारी कर अपनी अहम भूमिका निभाएगा। वरिष्ठ पत्रकार जफर उल्लाह ने कहा कि पत्रकार महासंघ शहर में आयोजित राष्ट्रीय पर्वो पर कार्यक्रमों में प्रतियोगिताओं के रूप में शामिल होने वाले बच्चो को पुरूस्कृत करेगा। युवा पत्रकार अब्दुल अलीम ने कहा कि हमारा संघ नगर में निशुल्क रूप से स्वास्थ्य शिविरो का आयोजन कर कई गरीब व्यक्तियों को स्वस्थ्य सुविधाओं का लाभ दिलाया। वही युवा पत्रकार अरबाज खान शेखू ने कहा कि हम अपने संघ की गतिविधियो को बडाते हुए अत्यंत गरीब परिवारो को जिनके घरो में राशन व पानी की व्यवस्थाए नही हो पा रही है या जिन बच्चों को पैसो के अभाव में शिक्षा नही मिल पा रही है। उन बच्चो की आर्थिक रूप से मदद करना का प्रयास करेगें। इस अवसर पर बैठक में प्रमुख रूप से वरिष्ठ पत्रकार रजी खान,शैलेन्द्र रघुवंशी,जुनैद खान,डॉ कासिम खान,सुनील नगीना,तबरेज आलम,नरेन्द्र बडसेना,बब्लू यादव,बकार आजम,मुस्ताकीन खान,सौरभ साहू,चेतन पंथी आदि ने संघ के पुनः निंविरोध अध्यक्ष चुने जाने पर राजीव जैन सैनानी का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

एमपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन जिला विदिशा के उपाध्यक्ष बने सलमान अमीन

सिरोंज । एमपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के जिला अध्यक्ष अल्ताफ खान की अनुशंसा पर जिला उपाध्यक्ष पद पर सलमान अमीन को नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति पर शहर के समाज सेवी एडवोकेट शोएब खान के निवास पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शहर के सहाफी लोग शामिल हुए जिसमें सभी लोगो के द्वारा हर फूल पहनकर स्वागत किया गया। इस दौरान रजी खान, जुनैद खांन, नदीम खांन, हाफिज शम्स कमर, अनीस भाई, कवि गोरी, फहीम गोरी, शफीक खांन भूरा भाई पूर्व पार्षद, पार्षद फहीम खान आदि लोग उपस्थित हुए ।

युवा कांग्रेस ने तहसीलदार को दिया ज्ञापन, घोटालेबाजों पर की कार्रवाई की मांग

गरीबों के हक के राशन पर डाका डालने वालों पर मेहरबान खाद आपूर्ति अधिकारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सरकार के द्वारा गरीबों को तो वक्त की रोटी उपलब्ध कराने के लिए फ्री में राशन दिया जा रहा है, इसके अलावा प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा लगातार गड़बड़ी करने वालों पर करने करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। इसके बाद भी स्थानीय खाद्य पूर्ति अधिकारी कुंभकरण की नींद सो रहा है। अधिकांश राशन दुकानों से पत्रों को राशन नहीं देने का काम किया जा रहा है एवं घोटालेबाजों पर कार्रवाई न करते हुए स्थानीय अधिकारी अपनी कृपा बरसाना इसके बदले में उनकी सेवा भी हो रही है गरीब राशन के लिए भटकने को मजबूर है ।

विकासखंड में जिनके कंधों पर इस काम को निष्पक्ष रूप से धरातल पर करवाने की जिम्मेदारी है उनमें से अधिकांश सेल्समैनों के द्वारा हर महीने गरीबों के राशन को हड़पने का काम किया जा रहा है। मॉनिटरिंग करने वाले भी आंखें बंद करके तमाशा देख रहे हैं या कहे सब की मिली भगत से ही गरीबों के हक के राशन को बेचने का काम गड़बड़ी करने वाले सेल्समैनों के द्वारा किया जा रहा है। तभी तो कार्रवाई नहीं हो रही है इस वजह से गरीब राशन पाने के लिए जनपद कार्यालय तहसील कार्यालय के चक्कर लगा लगा कर परेशान हो रहा है। कई सेल्समैन तो इतने दबंग है कि जिनके द्वारा कई महीनो तक राशन का वितरण किया ही नहीं जाता है कुछ लोगों को राशन वितरण करके बाकी राशन को खुलेआम गोलमाल कर दिया जाता है। जिसमें कई बार राशन लेने के लिए पहुंचने वाले लोगों को बताया था तुम्हारी पर्ची नहीं है तुम्हारा नाम नहीं आया सर्वर नहीं चल रहा अन्य परेशानी बात कर राशन को गोलमाल कर दिया जाता है।जिसकी जानकारी होने के बाद भी स्थानीय प्रशासन के जिम्मेदारों के द्वारा किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। खाद्य पूर्ति अधिकारी तो तहसील कार्यालय में कुर्सी बैठकर तोड़ते रहते हैं। कई दिनों तक आते ही नहीं है इसी बात का फायदा उठाकर अधिकांश सेल्समैन गड़बड़ झाले को अंजाम दे रहे हैं। शिकायतों पर राशन दुकानों की जांच करने का समय भी नहीं रहता है। इनको तो सिर्फ अपनी सेवा से मतलब रहता है। इस वजह से अधिकांश सेल्समैन मनमर्जी से अपने काम को अंजाम देकर सरकार की छवि को भी धूमिल कर रहे हैं।खूले आम गरीबों के हक के राशन को भी खाने का काम कर रहे है। शिकायतों के बाद भी खाद्य पूर्ति अधिकारी के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है इस वजह से सेल्समैनों के हौसले भी ज्यादा बुलंद हो गए हैं ।

कई सेल्समैनों पर शिकायतों के बाद प्रकरण में दर्ज हो गए हैं फिर भी घोटाला करने वाले सेल्समैन अपने काम में सुधार करते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं इधर नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में संचालित होने वाली अधिकांश राशन की दुकानों पर गरीबों के हक के राशन को गोलमाल करने का काम निरंतर किया जा रहा है। ऐसे घोटालेबाज सेल्समैनों पर कार्रवाई की मांग को लेकर युवा कांग्रेस अध्यक्ष जितेन बघेल के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार संजय चैरसिया को ज्ञापन देते हुए कहा कि जिन गरीबों को राशन शासन के द्वारा दिया जा रहा है उसको गोलमाल करने का काम किया जा रहा है या फिर खुले बाजार में बेचकर कालाबाजारी की जा रही है।

इस तरह से गरीबों उनके हक का राशन मिल नहीं पा रहा है जिन सेल्समैनों के द्वारा ऐसा किया जा रहा है। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए पात्र लोगों को समय पर राशन उपलब्ध कराया जितना राशन इनको मिलना चाहिए उतना राशन मिलना चाहिए कई दुकान है तो कई दिनों तक दुकानों को खोलते ही नहीं है कुछ के द्वारा महीने में एक-दो दिन खोलकर खाना पूर्ति करके गोलमाल कर दिया जाता है। नगर की भी कई दुकानों पर घोटालेबाजी का खेल चल रहा है। ग्रामीण अंचलों की तो बात ही कुछ कहना है पिछले दिनों ही कई ग्रामों के ग्रामीणों ने सेल्समैनों के द्वारा राशन नहीं देने की शिकायत की थी फिर भी खाद्य पूर्ति अधिकारी ने इनकी शिकायतों कोई कार्रवाई नहीं की वहीं तहसीलदार ने कहा कि ऐसा है तो हम जांच करवा कर कार्रवाई करेंगे। साथ ही युवा कांग्रेस ने प्रशासन से कहा की कार्रवाई नहीं की गई तो हम उग्र प्रदर्शन भी गरीबों के साथ करेंगे इसकी समझ जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

दो दिवसीय कृषि विज्ञान मेला में मिलेट मिशन से अवगत कराया

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

विदिशा जिला मुख्यालय पर लगातार दो दिन तक आयोजित कृषि विज्ञान मेला किसानो के लिए अनेकों सौगात दी है। जहां किसानो को आवश्यक कृषि विधाओं की जानकारी सुगमता से मिली है वहीं अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त हुआ है। कृषि आदान व्यवस्थाओं से अवगत कराने हेतु विभिन्न संस्थाओं के द्वारा स्टॉल लगाकर सारगर्भित जानकारियों से किसानो को अवगत कराया गया है।

सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) एवं मध्यप्रदेश राज्य मिलेट मिशन के तहत जिला मुख्यालय पर दो दिवसीय कृषि विज्ञान मेले का आयोजन पीएनबी कृषक प्रशिक्षण परिसर में आयोजित किया गया था। कृषि विज्ञान मेला के दूसरे दिन विभाग के संयुक्त संचालक श्री बीएल बिलैया ने कृषकों का उत्साहवर्धन कर उन्हें मिलेट यानि श्री अन्न खाद्यान्न जैसे की रागी, ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी आदि के उत्पादन एवं मानव जीवन में इनके महत्व से अवगत कराया है उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में मिलेट खाद्यान्न की ओर मानव का रूझान बढ रहा है। विदिशा जिले के कृषकबंधु इस क्षेत्र में अपनी ख्याति को बढा सकते है। उनकी मदद के लिए कृषि विभाग सदैव तत्पर रहेगा।

संयुक्त संचालक श्री बिलैया ने कहा कि कृषि विज्ञान मेला परिसर में जो प्रदर्शनी के स्टॉल लगे है उनका अवलोकन किसान भाई जरूर करें। कई बार स्टॉलो में हमें कृषि संबंधी ऐसी अनेक जानकारियां प्राप्त हो जाती है जो हमारी कल्पना से दूर थी। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक केएस खपडिया ने लगातार दो दिन तक आयोजित कृषि विज्ञान मेला के उद्धेश्यों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि मेले में चार हजार से अधिक कृषकों के द्वारा सहभागिता निभाई गई है वहीं कृषि विज्ञान मेला गंजबासौदा के कृषि वैज्ञानिकों ने अनेक प्रकार की कृषि तकनीकी मार्गदर्शन से कृषकों को फलीभूत किया है।

35 हजार 600 बच्चों को देना था गणवेश, नहीं हुआ वितरण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शैक्षणिक सत्र खत्म होने को है लेकिन हजारों बच्चों को अब तक गणवेश नहीं मिल पाई है। अब सवाल यह है कि बच्चों को गणवेश अभी तक क्यों नहीं वितरण की गई उक्त मामले की पड़ताल के लिए हमारी टीम ने आजीविका मिशन के विकासखंड प्रबंधक सत्येंद्र श्रीवास्तव से बात की उन्होंने बताया कि सभी ड्रेस का वितरण हो चुका है लगभग 700 बाकी है जिन्हें वितरण करना है जबकि हकीकत कुछ और ही है उक्त मामले को लेकर जब हमने बीआरसी ओम प्रकाश रघुवंशी से बात की तो उन्होंने बताया कि 10 से 12 हजार ड्रेस का वितरण होना है जो हम कुछ ही दिनों में करने वाले हैं।

बच्चों की ड्रेस के नाम पर कितना बड़ा गोलमाल किया जा रहा है यह यहीं से स्पष्ट होता है ड्रेस बनाने वाले 700 बता रहे हैं तो वही वितरण करने वाले 1200 जबकि हकीकत इससे भी परे है सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार गिनें चुने स्कूलों में गणबेश का वितरण हुआ है आज भी हजारों की संख्या में विद्यार्थी ड्रेस से वंचित है।

इनका कहना है

लगभग 1200 ड्रेस वितरण के लिए बची है जो आने वाले कुछ ही दिनों में वितरण की जाएगी और बाकी सभी ड्रेसों का वितरण किया जा चुका है।

***ओम प्रकाश रघुवंशी**, बीआरसी सिरोंज*

मेट्रो एंकर कब्बाली में हुआ जोरदार मुकाबला, विधायक प्रतिनिधि ने की नोटों बरसात, लोग झूमे

पूर्व मंत्री स्व लक्ष्मीकांत शर्मा की स्मृति में अयोजित हो रहा सिरोंज महोत्सव मेला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा की स्मृति में आयोजित हो रहे सिरोंज महोत्सव मेले में नागरिको के मनोरंजन के लिए लगातार आयोजित हो रहे सांस्कृतिक आयोजनो की श्रृंखला में बुधवार को कब्बलिया आयोजित की गई। नगर की गंगा जमुनी तहजीब के मुताबिक हिन्दू एवं मुस्लिम बंधुओ ने देर रात तक इन कब्बालियो का लूफ्त लिया। विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव ने की नोटों बरसात लोग झूमे देश के मशहूर कब्बाल शरीफ परवाना ओर तनवीर कौसर की जुगल बंदी ने सिरोंज महोत्सव मेले में ऐसा समां बाँधा जिससे श्रोतागण देर रात तक मेले में जमे रहे। कब्बालियो को सुनने के लिए

मेले में देर शाम से ही नागरिको की भीड़ जुटना शुरू हो गई थी रात करीब नौ बजे मंच पर पहुँचे शरीफ परवाना ने स्वागत के उपरांत अपनी चिरपरिचित अंदाज में सबसे पहले नवी की शान में गजल गाकर शुरुआत की। उनके बाद जब तनवीर कौसर की बारी आई तो उन्होंने भी अपनी गजलों से जनता की खूब दाद बटोरी। इस दौरान भाजपा नेताओं सहित नागरिको ने जमकर लुफ्त लिया। विधायक उमाकांत शर्मा की पहल पर मेले में मुस्लिम बंधुओ के लिए आयोजित कब्बाली कार्यक्रम का शुभारम्भ नपा उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ,मंडल महामंत्री सुमंत मित्तल ने पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। उल्लेखनीय है कि स्थानीय नगर पालिका परिषद द्वारा विगत वर्ष से पूर्व मंत्री शर्मा की स्मृति में सिरोंज महोत्सव एवं मेले का आयोजन प्रारम्भ किया गया है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नजर गौरी,सचिन शर्मा, बलजीत यादव, सोनी, अशोक रावल,राजीव नेमा, सहित गणमान्य नागरिक एवं सेकड़ो की संख्या में श्रोतागण उपस्थित रहे।

आज होगी सिंगिंग नाईट

24 को कवि सम्मेलन – मेले में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रंखला में 22 फरवरी को सिंगिंग नाईट का आयोजन होगा जिसमें मशहूर गायक बॉबी ओर रेशमा की जुगल जोड़ी फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा 23 फरवरी को बॉलीवुड डॉस नाईट का आयोजन होगा। 24 फरवरी को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन भी मेला प्राँगण में सम्पन्न होगा जिसमें देश के प्रख्यात कवि एवं लाफ्टर किंग प्रताप फौजदार, वीररस के कवि जैन सौरभ जैन, हास्य के विस्फोटक दिनेश देशी घी, हास्य कवि विनोद पाल, श्रृंगार रस की कवियत्री खुशबू शर्मा सहित कविताओं,गजल, गीत,हास्य, व्यंग की अनेक जाने माने कविगण मौजूद रहेंगे।

जीत के बाद सिटी प्रीमियर लीग पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंची

एर्लिंग हालैंड के गोल से मैनचेस्टर सिटी ने ब्रेंटफोर्ड को 1-0 से हराया

मैनचेस्टर, एजेंसी

मैनचेस्टर सिटी ने ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ घरेलू जीत हासिल की। एर्लिंग हालैंड ने मैच का एकमात्र गोल किया, जिससे मैनचेस्टर सिटी ने ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ 1-0 से यह मैच अपने नाम किया। इस मुकाबले में दोनों टीमों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी। मैनचेस्टर सिटी और ब्रेंटफोर्ड ने कई मौके बनाए लेकिन इन दोनों टीमों ने एक दूसरे के खिलाफ एक चुनौतीपूर्ण डिफेंस पेश किया। मैच में शुरुआत से ही सीटी का दबदबा जरूर रहा लेकिन ब्रेंटफोर्ड के खिलाड़ियों ने भी हार नहीं मानी। हालांकि, मैच का एकमात्र और विनिंग गोल 71वें मिनट में एर्लिंग हालैंड ने सीटी के लिए किया। इस जीत के साथ सिटी प्रीमियर लीग पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। अब सीटी टेबल टॉपर लिवरपूल से मात्र एक अंक पीछे है। ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ इस जीत से मैनचेस्टर सिटी प्रीमियर लीग की अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। अब मैनचेस्टर सिटी सिर्फ एक अंक से लिवरपूल से पीछे है।

मैनेजर पेप गार्डियोला के निशाने पर आलोचक

हालैंड के विजयी गोल पर मैच के बाद मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला ने कहा, शीर्ष स्कोरर की आलोचना करना बंद करें, नहीं तो वह आपका मुंह बंद कर देंगे। यह निश्चित है, भले देर-सवेर हो। उन्होंने आगे कहा, वह चोट के कारण दो महीने तक मैदान से बाहर रहे। अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं थे।

जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में कल से शुरु होगा चौथा टेस्ट

धोनी के शहर रांची में अब तक टेस्ट मैच नहीं हारा भारत

रांची, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का चौथा मुकाबला रांची में खेला जाएगा। दोनों टीमें जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्पलेक्स में 23 फरवरी से आमने-सामने होंगी। इंग्लैंड ने हैदराबाद में टेस्ट जीतकर सीरीज की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की थी। उसके बाद रोहित शर्मा की टीम ने शानदार वापसी की। उसने विशाखपत्तनम और राजकोट में खेले गए मुकाबलों में जीत हासिल कर सीरीज में 2-1 की बढ़त ले ली। रांची में भारत की नजर अजेय बढ़त हासिल करने पर होगी। वहीं, इंग्लैंड की टीम सीरीज में बने रहने के लिए जीत और ड्रॉ की उम्मीद करेगी। महेंद्र सिंह धोनी का यह गृह नगर है। टीम इंडिया अब तक यहां एक भी टेस्ट नहीं हारी है। वहीं, इंग्लैंड पहली बार धोनी के शहर में क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में खेलने उतरेगा।

2017 में यहां हुआ था पहला टेस्ट

रांची में अब तक दो टेस्ट मैच खेले गए हैं। यहां पहला मुकाबला 2017 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया था। वह मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। वहीं, दूसरा मुकाबला उसके दो साल बाद 2019 में आयोजित हुआ था। तब टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को हरा दिया। भारत इस मैदान पर कभी नहीं हारने के अपने रिकॉर्ड को बरकरार रखने उतरेगा। 2017 में जब भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें रांची में आमने-सामने हुई थीं तब रवींद्र जडेजा का जादू देखने को मिला था। उन्होंने कंगारू टीम के खिलाफ पहली पारी में पांच विकेट लिए थे। उसके बाद भारत के लिए पहली पारी में नाबाद 54 रन बनाए थे।

रांची में दोहरा शतक लगा चुके हैं रोहित शर्मा

2019 में भारत जब इस मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उतरा था तब रोहित शर्मा ने दोहरा शतक लगाया था। उन्होंने पहली पारी में 212 रन बनाए थे। जडेजा ने 51 और अश्विन ने 14 रन बनाए थे। गेंदबाजी में जडेजा ने पहली पारी में दो विकेट लिए थे। दूसरी पारी में उन्हें एक सफलता मिली थी। अश्विन को पहली पारी में सफलता नहीं मिली थी। वहीं, दूसरी पारी में उन्होंने एक विकेट लिया था। भारत पारी और 202 रन से मैच जीता था।

रोहित के नाम ज्यादा रन, गेंदबाजी में जडेजा हिट

रांची में रोहित शर्मा सबसे ज्यादा रन 212 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके बाद दूसरे स्थान पर चेतेश्वर पुजारा हैं। उन्होंने दो मैच में 202 रन बनाए हैं। जडेजा ने दो मैच में 105 रन बनाए हैं। वह इस मैदान पर सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सातवें स्थान पर हैं। गेंदबाजी में जडेजा ही नंबर-1 हैं। उन्होंने दो मैच में 12 विकेट लिए हैं। अश्विन ने इतने मैचों में तीन विकेट लिए हैं।

आकाश दीप को मिल सकता है डेब्यू का मौका

रांची में होने वाले टेस्ट मैच से दो दिन पहले ऐसी खबरें आ रही हैं कि बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप को डेब्यू करने का मौका मिल सकता है। उनके साथ ही घरेलू मैचों में खेलने वाले मुकेश कुमार भी टीम में वापस आए हैं। उन्होंने बिहार के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुए रणजी मैच की एक पारी में छह विकेट लिए थे। ऐसे में यह देखना रोचक होगा कि रोहित शर्मा प्लेइंग-11 में आकाश दीप को रखते हैं या उनसे अनुभवी मुकेश को मौका देते हैं। चौथे टेस्ट के लिए मोहम्मद सिराज के जोड़ीदार के लिए दो तेज गेंदबाज विकल्प हैं, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि टीम प्रबंधन आकाश के साथ उतरने का फैसला कर सकता है। आकाश ने भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच मैचों में जिस तरह से गेंदबाजी की उससे सभी प्रभावित हैं। आकाश ने भारत ए के लिए दो मैचों में 10 विकेट लिए थे। आकाश ने 30 प्रथम श्रेणी मैचों में 23.58 के औसत से 104 विकेट लिए हैं।

रजत पाटीदार प्लेइंग-11 से हो सकते हैं बाहर

दूसरी ओर, रजत पाटीदार प्लेइंग-11 से बाहर हो सकते हैं। रजत को विशाखापत्तनम टेस्ट में डेब्यू करने का मौका मिला था। वह पहली पारी में 32 और दूसरी पारी में नौ रन बनाकर आउट हो गए थे। उसके बाद उन्हें राजकोट में फिर से मौका दिया गया। रजत एक बार फिर से फेल हो गए। वह पहली पारी में पांच रन ही बना पाए थे। दूसरी पारी में तो खाता भी नहीं खोल पाए। ऐसे में चार पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगाने वाले रजत को बाहर बैठना पड़ सकता है। रजत के स्थान पर कर्नाटक के बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को मौका मिल सकता है। पडिक्कल ने 31 प्रथम श्रेणी मैचों में 44.54 की औसत से 2227 रन बनाए हैं।

दूसरे टेस्ट में फेल हो गए थे मुकेश कुमार

विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट के दौरान मुकेश ने 12 ओवर फेंके थे। वह सिर्फ एक ही विकेट हासिल कर पाए थे। वह भी 10वें नंबर के बल्लेबाज शोएब बशीर को आउट करने में ही सफल हो पाए थे। ऐसे में मुकेश की वापसी तो टीम में हो गई है, लेकिन उनका खेलना कठिन है।

10 दिन तक चलने वाला आईवीपीएल कल से होगा शुरू, टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी

नईदिल्ली, एजेंसी

इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) के पहले संस्करण की शुरुआत 23 फरवरी से हो रहा है. 10 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी. इन टीमों में वीवीआईपी यूपी, रेट कारपेट दिल्ली, मुंबई चैंपियंस, राजस्थान लीजेंड्स, तेलंगाना टाइगर्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स हैं।

रेड कारपेट दिल्ली की कमा हर्शल गिब्स के हाथों में हैं. वीवीआईपी यूपी की अगुवाई सुरेश रैना करेंगे. छत्तीसगढ़ वारियर्स के कप्तान यूसुफ पठान को बनाया गया है, मुंबई चैंपियंस टीम की कप्तानी वीरेंद्र सहवाग करेंगे, तेलंगाना

टाइगर्स की कप्तानी क्रिस गेल करेंगे, राजस्थान लीजेंड्स की अगुवाई प्रवीण कुमार को दी गई है.

आईवीपीएल के सभी मुकाबलों का लाइव टेलीकास्ट भारत में डीडी स्पोर्ट्स और यूरोस्पोर्ट चैनल पर किया जाएगा. वहीं टूर्नामेंट की लाइव स्ट्रीमिंग फैनकोड पर उपलब्ध होगी. सभी मुकाबले राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम देहरादून में खेले जाएंगे।

वीरेंद्र - सुरेश रैना सहित कई बड़े नाम शामिल

इस टूर्नामेंट में दिग्गज क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग, सुरेश रैना, हर्शल गिब्स और क्रिस गेल सहित अन्य खिलाड़ी फैंस का मनोरंजन करने और पहले संस्करण में कुछ यादगार पल बनाने के लिए क्रिकेट मैदान पर लौटने के लिए तैयार हैं। वीरेंद्र सहवाग की विस्फोटक बल्लेबाजी से लेकर, रैना की तेज तर्रार फील्डिंग और क्रिस गेल की जबरदस्त सिक्स मारने की क्षमता तक, हर खिलाड़ी के पास एक खास हुनर है. उनकी मौजूदगी न केवल लीग में स्टार पावर जोड़ती है, बल्कि प्रशंसकों के बीच उत्साह की भावना भी पैदा करती है।

मेट्रो बाजार

सेंसेक्स में 400 अंक से ज्यादा की गिरावट, निफ्टी भी फिसला

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी को गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा फिसलकर 72,200 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 150 अंक से ज्यादा की गिरावट है। ये 21,900 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में गिरावट और 7 में तेजी देखने को मिल रही है। आज पावर और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। वहीं जीपीटी हेल्थकेयर लिमिटेड का आईपीओ आज से रिटेल निवेशकों के लिए ओपन हो गया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 26 फरवरी तक बोली लगा सकेंगे। 29 फरवरी को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। जीपीटी हेल्थकेयर लिमिटेड ने अपने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 177-186 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। रिटेल निवेशकों मिनिमम एक लॉट यानी 80 शेयरों के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 186 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,880 इन्वेस्ट करने होंगे। इससे पहले कल यानी 21 फरवरी को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 434 अंक की गिरावट के साथ 72,623 के स्तर पर बंद हुआ था।

आईक्यू नियो 9 प्रो स्मार्टफोन आज होगा लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। चाइनीज टेक कंपनी आईक्यू 22 फरवरी को भारत में %आईक्यू नियो 9 प्रो% स्मार्टफोन लॉन्च करेगी। कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म और ऑफिशियल वेबसाइट पर फोन को टीज करते हुए लॉन्च डेट की जानकारी दी है। कंपनी ने कंफर्म कर दिया है कि यह स्मार्टफोन क्वालकॉम एफ पड्रैगन 8 जेन 2 प्रोसेसर के साथ आएगा। फोन के रियर पैनल में प्रीमियम लेदर फिनिश, ब्राइवेंट डुअल टोन और यूनीक स्क्विर्कल कैमरा मिलेगा। इसके अलावा कंपनी ने फोन के अन्य स्पेसिफिकेशन के बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में इसके बारे में पहले ही जानकारी सामने आ चुकी है। आइए इन्ही रिपोर्ट के अनुसार एक्सपेक्टेड स्पेसिफिकेशन के बारे में जानते हैं। आईक्यू नियो 9 प्रो में 144॥5 रिफ्रेश रेट के साथ 6.78 इंच की एमोलेड डिस्प्ले मिल सकती है, जिसमें 2800 पिक्सल का रेजोल्यूशन मिलेगा। फोटोग्राफी के लिए फोन के रियर पैनल में 50 एमपी + 50 एमपी का डुअल कैमरा सेटअप मिल सकता है। वहीं, सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए पंच होल डिजाइन के साथ 50 एमपी का अल्ट्रा वाइड एंगल फ्रंट कैमरा दिया जा सकता है। पावर बैकअप के लिए फोन में फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,160 एमएएच की बैटरी मिल सकती है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

रागिनी खन्ना बोलीं...

गोविंदा बहुत बड़े स्टार हैं, मैं उनकी बेटी नहीं हूं...

रागिनी खन्ना 90 के दशक के सुपर स्टार गोविंदा की भांजी हैं। हालांकि रागिनी ने एक्टिंग में अपनी जगह जरूर बनाई है, लेकिन कई लोगों को ऐसा भी लगता है कि उन्हें गोविंदा की वजह से प्रोजेक्ट्स मिले हैं। हाल ही में रागिनी ने इस बात पर चुप्पी तोड़ी। गोविंदा के नक्शेकदम पर चलकर उनकी भांजी इस इंडस्ट्री का हिस्सा तो बन गई, लेकिन बड़ा मुकाम नहीं हासिल कर पाई। सिद्धार्थ कानन को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि गोविंदा के स्टारडम से उन्हें कोई फायदा नहीं मिला। रागिनी ने कहा- वो बहुत बड़े स्टार हैं। सबसे पहले तो मैं उनकी बेटी नहीं हूं।

गोविंदा से अच्छा बॉन्ड शेयर करती हैं रागिनी

रागिनी ने कहा कि वो गोविंदा के परिवार और चचेरे भाई अभिषेक कृष्णा और आरती सिंह के साथ भी अच्छा बॉन्ड शेयर करती हैं। उन्होंने बताया कि फेस्टिवल के मौकों पर वे उनसे मिलती हैं। उन्होंने कहा- हम बाहर रेस्टोरेंट नहीं जाते। दरअसल ऐसा पहली बार कोविड के वक्त हुआ था जब मैं चीची मामा (गोविंदा) से चार साल तक नहीं मिल पाई थी। नहीं तो, मैं अक्सर उनके घर जाती हूं। सुनीता मामी (गोविंदा की वाइफ) के साथ हर फंक्शन, हर दिवाली, जन्मदिन पर हम बातें करते हैं।
रागिनी ने झगड़े को लेकर बात की: रागिनी ने गोविंदा और कृष्णा के झगड़े के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा- मैं किसी के झगड़े में नहीं पड़ती हूं। मैं कोई नहीं होती किसी के बारे में कुछ कमेंट करने वाली। पर हां मैंने दोनों से इतना जरूर कहा था कि घर की बात मीडिया में नहीं आनी चाहिए। रागिनी खन्ना ने टीवी सीरीयल 'ससुराल गेंदा फूल' से पॉपुलैरिटी हासिल की थी। इसके बाद वे कई रियलिटी शोज में भी नजर आईं। वे 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' के कुछ एपिसोड में भी दिखाई दी थीं।

एक-दूजे के हुए रकुल प्रीत-जैकी भगनानी

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी शादी के बंधन में बंध गए हैं। दोनों की शादी सिख रीति-रिवाज से पूरी हो गई है। फैंस को अब नव-विवाहित जोड़ी की पहली झलक का इंतजार है। कपल ने गोवा में शादी रचाई है।

शादी के रीति-रिवाज संपन्न हो गए हैं। इस शादी में फिल्म जगत की भी कई नामी हस्तियां शामिल हुईं। रकुल और जैकी भगनानी ने लंबे वक्त की डेटिंग के बाद आज जिंदगी के नए अध्याय की शुरुआत की है। कपल ने गोवा में करीबी दोस्तों और परिवार वालों की मौजूदगी में एक-दूसरे का हाथ थामा है। दोनों की शादी में शिल्पा शेट्टी, अर्जुन कपूर, वरुण धवन, आदित्य रॉय कपूर-अनन्या पांडे और ईशा देओल सहित कई सितारे शामिल हुए। कहा जा रहा है कि सिख रीति-रिवाज से शादी के बाद जोड़ा हिंदू रीति-रिवाज से भी शादी रचाएगा।

अर्जुन बोले- रोहित शेट्टी ने मुझमें विलन की क्षमता देखी, आदित्य चोपड़ा ने मेरे अंदर देखी थी हीरो बनने की आग

रोहित शेट्टी की अपकमिंग फिल्म 'सिंघम' में अर्जुन कपूर पहली बार अपने नेगेटिव किरदार में नजर आनेवाले हैं। अर्जुन ने अपने इस रोल को लेकर काफी कुछ कहा है। उन्होंने कहा - मैं इस बात से बेहद खुश हूं कि रोहित शेट्टी जैसे दिग्गज फिल्ममेकर ने देखा कि मुझमें उनकी 'सिंघम अगेन' में नेगेटिव भूमिका निभाने की क्षमता है। अर्जुन कपूर इन दिनों रोहित शेट्टी की अपकमिंग फिल्म 'सिंघम' में अपने नेगेटिव रोल को लेकर काफी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म से अर्जुन का लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया था जिसमें खून सने उनके चेहरे और इस अवतार ने हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। फिल्म के इस पोस्टर में अर्जुन कपूर काफी खूंखार दिखे हैं और अब एक्टर ने अपने रोल को लेकर काफी कुछ कहा है। अर्जुन ने कहा है कि जो डायरेक्टर को लगता है कि उनके लिए सही है, ऐसे किसी भी रोल से उन्हें कोई परहेज नहीं। उनका कहना है कि ये सिनेमा से उनका प्यार है और यही वजह है कि वो अपने किरदार के साथ प्रयोग करते रहना चाहते हैं।

एक्टर बनने के बारे में सोचा नहीं था

अर्जुन ने कहा, मैंने कभी एक्टर बनने के बारे में सोचा नहीं था, लेकिन मुझे फिल्मों से प्यार हो गया क्योंकि मैंने खूब फिल्में देखीं। हमारे देश के लोगों का मनोरंजन करने के लिए इस इंडस्ट्री में लोग समर्पित और भावुक हैं। ये देखकर खुशी हुई कि मेरे करीबी और प्रिय लोग अपने काम के माध्यम से लोगों के बीच खुशियां फैलाना चाहते हैं।

अच्छा काम करने बहुत मेहनत करना चाहता था

उन्होंने आगे कहा, इसलिए जब मैं एक्टिंग के बारे में जानना चाहता था तो मैं सिर्फ अभिनय करना और कैमरे का सामना करना चाहता था। मैं कभी भी इस बात पर फोकस नहीं था कि मुझे स्क्रीन पर किस रोल के लिए चुना गया है। मैं वही जुनून और खुशी महसूस करना चाहता था जो मैंने एक्टर्स को शॉट देते समय देखा था। मैं कैमरे के सामने आने की जल्दीबाजी को महसूस करना चाहता था और अच्छा काम करने के लिए बहुत मेहनत करना चाहता था। अर्जुन ने ये भी बताया कि उन्हें नहीं पता था कि इश्कजादे में लीड रोल की भूमिका नभाने के लिए उनका ऑडिशन लिया जा रहा है। उन्होंने कहा,%लीड भूमिका के तौर पर लॉन्च होना इसलिए भी हो पाया क्योंकि आदित्य चोपड़ा ने देखा कि मेरे अंदर स्क्रीन पर हीरो के रूप में एक्टिंग करने की आग है। मैंने यह जानते हुए कभी ऑडिशन नहीं दिया कि फिल्म इशकजादे में मुख्य भूमिका के लिए मेरा ऑडिशन किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

शादी के तीन साल बाद ही नव विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। परवलिया सड़क थाना क्षेत्र स्थित मुगालिया हाट में बीती रात एक नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। करीब तीन साल पूर्व ही उसकी शादी हुई थी। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी को सौंपी गई है। एएसआई विनय दांगी ने बताया कि सरिता अहिरवार पति अरविंद अहिरवार (26) गांव मुगालिया हाट में परिवार के साथ रहती थी। उसकी शादी तीन साल पहले अरविंद से हुई?थी। अरविंद ने पुलिस को बताया कि बुधवार रात खाना खाने के बाद सभी लोग सो रहे थे। रात करीब पौने दो बजे उसकी नींद खुली तो उसने कमरे में पत्नी सरिता को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग?कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि आज पीएम के बाद मृतिका के मायके पक्ष और ससुराल पक्ष के बयान दर्ज किए जाएंगे।

पानी समझकर टायलेट क्लीनर पीया, मौत

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित गांव छान में एक महिला ने पानी समझकर टायलेट क्लीनर पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। एसआई अशोक शर्मा ने बताया कि सुमनबाई पति मदनलाल कुशवाह (48) गांव छान, मिसरोद में रहती थी। वह घर में ही सिलाई कढ़ाई का काम करती थी, जबकि पति मुख्य सड़क पर चाय नाश्ते की गुमठी चलाते हैं। परिजन ने बताया कि रविवार शाम करीब साढ़े 7 बजे के आसपास सुमनबाई उल्टियां कर रही थी। उनसे उल्टियां करने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि बाउंड्री वाल पर रखा पानी पीने से उल्टी हो रही है। परिजन बाउंड्री वॉल के पास पहुंचे तो वहा टायलेट क्लीनर की बोतल पड़ी मिली। परिजन ने बताया कि पानी समझकर सुमनबाई ने आधा बोतल टायलेट क्लीनर पी लिया था। तबीयत बिगड़ने पर परिजन सुमन बाई को एम्स लेकर पहुंचे, वहां उनका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान बुधवार शाम उनकी मौत हो गई।

मालगाड़ी के सामने कूदकर युवक ने दी जान

भोपाल। राजधानी के मुख्य रेलवे स्टेशन पर बुधवार दोपहर एक युवक ने मालगाड़ी के सामने कूदकर जान दे दी। इस हादसे में युवक के शरीर के दो टुकड़े हो गए। सूचना पर पहुंची जीआरपी की टीम ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक के पास ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस मृतक का हुलिया आसपास के इलाकों में और थाना पुलिस को भेजकर उसकी शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। एएसआई उमाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन पर बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे मालगाड़ी बीच वाली रेलवे ट्रैक पर रुक रही थी, तभी एक युवक भागता हुआ गया और मालगाड़ी के डिब्बों के बीच में रेलवे ट्रैक पर कूद गया। ट्रैक पर आते ही मालगाड़ी के पहिए उसकी कमर से होते हुए गुजर गए और शरीर के दो टुकड़े हो गए। मृतक काली रंग की सफेद धारीदार शर्ट पहने हुए हैं और नीले रंग की जिंस पहने हुए है। उसकी उम्र करीब 25 साल के आसपास होगी।

सीबीएसई के पेपर शुरू

भोपाल। सीबीएसई की 12 कक्षा की परीक्षाएं आज से शुरू हुई। चित्र में परीक्षा केंद्र पर पेपर देने जाती हुई छात्राएं। फोटो -निर्मल व्यास

दूसरी बाइक पर सवार युवक का गंभीर हालत में चल रहा इलाज

मोटर साइकिलों के बीच हुई भिड़ंत में एक युवक की दर्दनाक मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुनगा इलाके में मंगलवार दोपहर मोटर सायकिलों के बीच हुई आमने-सामने की भिड़ंत में घायल एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक सवार घायल का इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर एक-दूसरे के खिलाफ एक्सीडेंट का काउंटर केस दर्ज किया था। घायल की मौत के बाद आरोपी बाइक चालक पर धाराएं बढ़ाई जा रही हैं।

गुनगा इलाके में मंगलवार दोपहर मोटर सायकिलों के बीच हुई आमने-सामने की भिड़ंत में घायल एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक सवार घायल का इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर एक-दूसरे के खिलाफ एक्सीडेंट का काउंटर केस दर्ज किया था। घायल की मौत के बाद आरोपी बाइक चालक पर धाराएं बढ़ाई जा रही हैं।

एएसआई अजय चंद्रवंशी ने बताया कि दिनिया उर्फ दीनदयाल जाटव (30) ग्राम भुनगियाई थाना गुनगा में रहता था और प्रायवेट काम करता था। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे वह मोटर सायकिल से दुपाड़िया से गुनगा की तरफ जा रहा था। दीनदयाल जैसे ही मुड़ियाखेड़ा जोड़ के पास पहुंचा, वैसे ही गुनगा से दुपाड़िया की तरफ जा रही तेज रफ्तार बाइक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में दीनदायल और दूसरी बाइक पर सवार हरिचरण अहिरवार निवासी रातातात खजूरी थाना ईंटखेड़ी को गंभीर चोट आई। गंभीर रूप से घायल दीनदयाल को इलाज के लिए ईंटखेड़ी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, बुधवार दोपहर उसने दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल हरिचरण का इलाज चल रहा है। एएसआई चंद्रवंशी ने बताया कि दीनदयाल अपनी भाभी रानी जाटव और भतीजी को छोड़ने जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन कुछ दूर जाने के बाद उसे कोई काम याद आया तो भाभी और भतीजी को रास्ते में उतार दिया था। उसके बाद वह दोनों पैदल जा रही थी। इसी बीच एक्सीडेंट की सूचना मिली तो भाभी भी घटनास्थल पर पहुंच गई थी। हादसे के समय दोनों ही बाइक सवार हेलमेट नहीं पहने थे। दीनदयाल के सिर में गंभीर चोट आई थी, जिसके कारण उसकी मौत हो गई।

फाइल फोटो

बाइक डिवाइडर में घुसी युवक की मौत, दो साथी घायल

अरेरा हिल्स स्थित जेल रोड पहाड़ी और पशु चिकित्सालय के बीच ढलान में तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर में जा घुसी। बुधवार रात करीब साढ़े दस बजे के आसपास हुए इस हादसे में बाइक सवार तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, वहां एक युवक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दो को गंभीर चोट होने के कारण उनका इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि घायलों के बयान नहीं हो सके है। उनके बयान होने के बाद ही हादसे का कारण पता चला सकेगा। एएसआई राजेश तिवारी ने बताया कि समीर उर्फभोला पिता सुरेश इंगले (18) शासकीय स्कूल के पीछे विकास नगर, गांधी नगर में रहता था और मजदूरी करता था। वह अपने दोस्त शिब्बु उर्फ शिवम और 17 साल के भांजे रमेश के साथ सात नंबर स्टाप आया था। यहां वह अपने भांजे को उसके घर बैरागढ़ छोड़ने जा रहा था। बाइक पर तीनों सवार थे और उनकी बाइक रात करीब साढ़े दस बजे के आसपास जेल रोड पहाड़ी से पुराने कंट्रोल रूम की तरफ जा रही थी। इसी बीच पशु चिकित्सालय से कुछ दूरी पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। बाइक डिवाइडर से टकराने के कारण तीनों को गंभीर चोट आई थी।

पान भंडार से 120 पैकेट प्रतिबंधित ई-सिगरेट जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर पुलिस ने न्यू रेसीडेंसी में सांई पान भंडार पर दबिश देकर विदेशी ब्रांड की 120 पैकेट सिगरेट बरामद की है। इसके साथ ही 6 ई-सिगरेट मिली हैं। दो जंबो हुक्का भी जब्त किए हैं। पुलिस ने दावा किया कि सिगरेट के पैकेट में भारत सरकार की तरफ से अनिवार्य वैधानिक चेतावनी नहीं लिखी है। इसके साथ ही सिगरेट निमार्ता कंपनी का नाम भी अंकित नहीं है। ऐसे में आशंका है कि पैकेट में विदेश ब्रांड का नाम लिखकर अमानक सिगरेट शहर में खपाई जा रही हैं। इसके लिए पुलिस सिगरेट के गुणवत्ता की जांच कराएगी।

पुलिस ने बताया कि मंगलवार शाम पुलिस को सूचना मिली कि न्यू मिनाल रेसीडेंसी में साई पान भंडार में अमानक स्तर की धूम्रपान सामग्री बेची जा रही है। पुलिस ने

पान भंडार में दबिश देकर तलाशी ली। इस दौरान पुलिस को विदेशी से आयात की गई 120 पैकेट पेपर सिगरेट, 6 ई-सिगरेट, दो हुक्का मिले। पुलिस इन्हें जब्त कर थाने लेकर आई। पान भंडार संचालक की पहचान ओल्ड मिनॉल रेसीडेंसी निवासी संजय अग्रवाल के रूप में हुई है। संजय ने पुलिस को बताया कि विदेशी सिगरेट वह पुराने शहर से खरीदता है। यह सिगरेट विदेश से आयात की जाती हैं, या नहीं इसके बारे में उसे जानकारी नहीं है।

मई 2023 में कलेक्टर ने लगाया था प्रतिबंध

26 मई 2023 को भोपाल के तत्कालीन कलेक्टर आशीष सिंह ने धारा-144 लगाते हुए ई-सिगरेट, हुक्का लाउंज सहित निकोटिन के फ्लेवर वाले सभी उत्पाद को पूरी तरह प्रतिबंधित करने का आदेश जारी किया था। ऐसे उत्पाद बेचना कानूनी जुर्म है।

युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजन का हंगामा

भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित निजी अस्पताल में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया और डॉक्टर द्वारा गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है। हंगामे की सूचना मिलते ही मौके पर ही पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया था। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार करिष्मा पिता अनूप सेन (23) बरेला गांव, लालघाटी में रहती थी। बुधवार दोपहर उसकी तबीयत बिगड़ी और परिजन उसे बीएमएच अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां कुछ ही देर बाद करिष्मा की मौत हो गई। करिष्मा की मौत के बाद परिजन ने डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया है। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजन को समझाइश दी। पुलिस की समझाइश के बाद परिजन ने हंगामा बंद किया। पुलिस का कहना है कि मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर महिला शाखा और यूएन वीमन संस्था के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

घरेलू हिंसा एवं महिला संबंधी अपराधों से पीड़ित महिलाओं की मानसिक स्थिति पर ध्यान दें: एडीजी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सुरक्षित, भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए नवाचार कर रही है। इसी तारतम्य में पुलिस विभाग की महिला शाखा और यूएन वीमन के सहयोग से पुलिस विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन एवं शहरी आजीविका मिशन के प्रतिभागियों के लिए 20 और 21 फरवरी को दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। पहले दिन मंगलवार को एडीजी प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने कहा कि हम

पुलिस विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन एवं शहरी आजीविका मिशन के प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी देकर किया गया प्रशिक्षित

किसी घटना को सबसे पहले अपराध की तरह देखते हैं कि इस मामले में क्या धारा लगती है, हम कार्रवाई करते हैं या मुकदमा दर्ज करते है। वह एक हिस्सा है, लेकिन यह कोई नहीं देखता कि पीड़िता किस मानसिक स्थिति से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा एवं महिला संबंधी अपराधों से पीड़ित महिलाओं व बालिकाओं की काउंसलिंग उनकी मानसिक स्थिति सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और वे खुलकर अपनी बात कह सकेंगी।

प्रशिक्षण में सिखाई बातों पर बेहतर तरीके से अमल करें

महिला शाखा की एडीजी श्रीवास्तव ने कहा कि लेटेस्ट सजायाबी दर 16 से 17 प्रतिशत है जबकि विटनेस प्रोटेक्शन स्कीम जिसमें लगाते हैं, उसका प्रतिशत काफी ज्यादा होता है, क्योंकि हम पूरे समय देखते रहते हैं कि किसने क्या गवाही दी, क्या किया व क्या नहीं। सजायाबी नहीं होने का प्रमुख कारण है कि 80 से 85 प्रतिशत प्रकरणों में पीड़िताएं कोर्ट में मुकर जाती है। ऐसी कौन सी बात है, जो उन्हें बताई गई या उन पर ऐसा क्या मानसिक दबाव था, जो उन्होंने अपना बयान बदल दिया, हमें इस पर भी ध्यान देना चाहिए।

प्रदेश में प्रथम बार हुआ इस तरह का आयोजन

प्रदेश में पहली बार पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (पीटीआरआई) जहांगीराबाद, भोपाल स्थित सभागार में यूएन वीमन, ग्रामीण आजीविका मिशन व शहरी आजीविका मिशन तथा पुलिस के लिए एक साथ प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। 20 फरवरी को सुबह 10.30 बजे दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022